राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 19 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-27 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम हिमंता असम के जिन्ना, 'हिंदू सर्टिफिकेट' देना बंद करें

- कांग्रेस सांसद गोगोई बोले-जो भी भाजपा में गया, वह गैरजरूरी हुआ

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा और कांग्रेस छोड़कर भाजपा जॉइन करने जा रहे भूपेन कुमार बोरा पर कमेंट किया है। उन्होंने बुधवार को गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हिमंता ने बोरा को कांग्रेस का आखिरी हिंदू नेता बताया है। हिमंता 'असम के जिन्ना' हैं, उन्हें नेताओं को 'हिंदू सर्टिफिकेट' देना बंद करना चाहिए। गोगोई ने ये भी कहा- भाजपा में शामिल होने वाले नेता अपनी पार्टी के लिए गैरजरूरी हो जाते हैं। ऐसा ही हाल असम कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा का होगा, जो 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे। कांग्रेस सांसद ने कहा- जो

नेता भाजपा में गए हैं, वे अप्रासंगिक हो गए हैं। सर्बानंद सोनोवाल इसका उदाहरण हैं। असम गण परिषद (एजीपी) भी लगभग खत्म होने की कगार पर है। भूपेन बोरा के भाजपा में जाने से कांग्रेस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। **यह लड़ाई असली कांग्रेस-पुरानी कांग्रेस के बीच**-गोगोई ने कहा है कि कांग्रेस एक मजबूत संगठन है और किसी एक नेता के जाने से पार्टी की चुनावी संभावनाएं प्रभावित नहीं होंगी। आगामी विधानसभा चुनाव में मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच नहीं, बल्कि असली कांग्रेस और पुरानी कांग्रेस के बीच होगा। भाजपा में कई ऐसे नेता हैं, जो पहले कांग्रेस में थे और राज्य में 15 साल के शासन के दौरान भ्रष्टाचार से जुड़े रहे। इधर, भूपेन कुमार बोरा ने पार्टी नेतृत्व, खासकर गौरव गोगोई पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

महाराष्ट्र में मुस्लिमों के 5 प्रतिशत आरक्षण का आदेश रद्द

- 2014 में कांग्रेस अध्यादेश लाई थी, पास न होने से 10 सालों से इनवैलिड

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार के सोशल जस्टिस डिपार्टमेंट ने मंगलवार को एक सरकारी रेजोल्यूशन जारी किया। इसके जरिए सरकार ने अपने 10 साल पुराने उस सरकारी आदेश को कैंसिल कर दिया। जिसमें मुस्लिम कम्युनिटी को एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और सरकारी और सेमी-गवर्नमेंट नौकरियों में 5 फीसदी रिजर्वेशन देने की बात कही गई थी। हालांकि पिछले 10 सालों से यह आदेश इनवैलिड रहा है क्योंकि 2014 में कांग्रेस सरकार की तरफ से लाया गया अध्यादेश तय समय (6 हफ्ते) में विधानसभा से पास नहीं कराया जा सका, जिससे यह खुद ही इनवैलिड हो गया था।

तकनीक का मकसद सबका हित, सबकी खुशी

पीएम बोले-2047 तक भारत को एआई सुपरपावर बनाने का लक्ष्य

- कहा-इससे रोजगार खत्म नहीं पैदा होगा, युवाओं को दिलाया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत एआई का सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता बनेगा। उन्होंने युवाओं को भरोसा दिलाया कि एआई नौकरियां छीनेगा नहीं, बल्कि नई नौकरी पैदा करेगा। पीएम ने कहा की

उनका लक्ष्य 2047 तक भारत को टॉप-3 एआई सुपरपावर बनाना है। दरअसल, नई दिल्ली में 16 फरवरी से दुनिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी इवेंट में से एक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 फरवरी को इसका औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने एआई को लेकर न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में यह बातें कही हैं। न्यूज एजेंसी को दिए एक विशेष इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने आईटी उद्योग पर एआई के बढ़ते प्रभाव और सरकार की रणनीति पर बात की। पीएम ने कहा कि भारत का आईटी सेक्टर हमारी इकोनॉमी का मुख्य आधार रहा है। एआई इस क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर और चुनौती दोनों है। अनुमान है कि 2030 तक भारत का आईटी सेक्टर 400 बिलियन डॉलर (करीब 36 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच सकता है। इसमें एआई आधारित आउटसोर्सिंग और ऑटोमेशन की बड़ी भूमिका होगी। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की थीम पर इस समिट की थीम राष्ट्रीय विजन सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय (सभी का कल्याण, सभी का सुख) पर आधारित है।

राज्यसभा की 37 सीटों पर 16 मार्च को चुनाव

- इनमें 25 सीटें विपक्ष और एनडीए की 12 सीट शामिल

शरद पवार,सिंघवी का कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने बुधवार को 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव कराया जाएगा। जो सीटें खाली हो रही हैं उनमें 12 एनडीए के पास हैं, 25 पर विपक्ष का कब्जा है। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6 और पश्चिम बंगाल-बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। शरद पवार, रामदास अठावले, कणिमोझी, तिरुचि शिवा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच वोटिंग होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी। राज्यसभा सांसदों के लिए चुनाव की प्रक्रिया दूसरे चुनावों से काफी अलग है। राज्यसभा के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं यानी जनता नहीं बल्कि विधायक इन्हें चुनते हैं। चुनाव हर दो साल में होते हैं, क्योंकि राज्यसभा एक स्थायी सदन है और इसके एक-तिहाई सदस्य हर दो साल में रिटायर होते हैं। राज्यसभा सीटों की कुल संख्या 245 हैं। इनमें से 233 सीटों पर अप्रत्यक्ष

रूप से चुनाव होते हैं और 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं। राज्यसभा चुनाव में जीत के लिए कितने वोटों की जरूरत होती है, ये पहले से ही तय होता है। वोटों की संख्या का कैलकुलेशन कुल विधायकों की संख्या के आधार पर होता है।

ईरान के खिलाफ पहली बार साथ आए भारत-अमेरिका!

1300 जहाजों का डार्क फ्लीट? ट्रंप चला रहे हैं हथौड़ा

वॉशिंगटन/नई दिल्ली/तेहरान (एजेंसी)। अरब सागर में चीन के साथ मिलकर तेल का खेल कर रहे ईरान के खिलाफ भारत और अमेरिका साथ आ गए हैं। भारत ने अमेरिका के प्रतिबंधित 3 तेल टैंकरों को पकड़ा है। ये तीनों ही जहाज अरब सागर में अवैध तरीके से एक जहाज से दूसरे जहाज में तेल ट्रांसफर करने का खेल कर रहे थे। पश्चिमी विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील और टैरिफ को लेकर तनावपूर्ण संबंधों के बाद पहली बार हुआ है कि नई दिल्ली ने वॉशिंगटन के डॉर्क फ्लीट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में खुलकर मदद की है। ईरान के इस डार्क फ्लीट में 1300 तेल ढोने वाले जहाज शामिल हैं। इनकी मदद से ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों को धता बताते हुए खुलकर चीन और अन्य देशों को तेल की सप्लाई कर रहा है। भारतीय तटरक्षक बल ने 6 फरवरी को इन तीनों हीईरानी जहाजों को मुंबई के 100 मील उत्तर पश्चिम में समुद्र में पकड़ा था। कोस्ट गार्ड ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि ये

जहाज अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी रैकेट का हिस्सा थे। इन जहाजों को अब मुंबई लाया गया है और उनके चालक दल के सदस्यों के साथ पूछताछ जारी है। अमेरिकी वॉल स्ट्रीट जनरल अखबार ने पश्चिमी विश्लेषकों के हवाले से कहा कि भारत का यह ऐक्शन दिखाता है कि उसके अमेरिका के साथ रिश्ते में फिर से गर्माहट आ रही है।

अमेरिका-भारत ट्रेड डील के बाद ऐक्शन- इससे पहले रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत और अमेरिका के बीच तनाव काफी बढ़ गया था और ट्रंप ने 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था। हालांकि ट्रेड डील होने के बाद अब अमेरिका ने रूसी तेल को लेकर लगे टैरिफ को हटा दिया था। अमेरिकी थिंक टैंक कार्नेगी इंडिया के फेलो दिनाकर पेरी का कहना है कि भारत के ईरानी तेल टैंकरों के खिलाफ ऐक्शन लेने का समय काफी महत्वपूर्ण है जो भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद हुआ है।

ईरान ने जब्त तेल टैंकर पर क्या दिया बयान

भारतीय कोस्ट गार्ड ने इस ईरानी जहाज का खुलासा नहीं किया है लेकिन उसकी तस्वीरों के आधार पर ब्रिटिश कंपनी वैनगार्ड टेक ने बताया कि यह अल जाफजिआ, द अस्फाल्ट स्टार और स्टेलर रूबी तेल टैंकर हैं। इन तीनों पर ही अमेरिका ने पिछले साल प्रतिबंध लगाया था। ये जहाज फर्जी नाम का इस्तेमाल कर ईरानी तेल का ट्रांसपोर्ट कर रहे थे। वहीं ईरानी सेना से जुड़ी फार्स न्यूज एजेंसी ने सोमवार को एक बयान जारी करके कहा कि इन तीनों ही जहाजों से ईरान की सरकारी तेल कंपनी का कोई संबंध नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच रिश्ते में इन दिनों भारी तनाव चल रहा है। अमेरिकी सेना ने बड़े पैमाने पर हथियार तैनात किए हैं और कभी भी ईरान पर हमला कर सकता है।

पटाखा फैक्ट्री में सात लोग जिंदा जले थे, मालिक-मैनेजर गिरफ्तार

- प्लॉट मालिक के घर पहुंची पुलिस, एक आरोपी हेड कॉन्स्टेबल का भाई

भिवाड़ी (एजेंसी)। राजस्थान के भिवाड़ी के अवैध पटाखा फैक्ट्री के मालिक हेमंत कुमार शर्मा और मैनेजर अभिनंदन को गिरफ्तार कर लिया गया है। हेमंत भिवाड़ी पुलिस की एसआईटी टीम में तैनात हेड कॉन्स्टेबल योगेश कुमार शर्मा का भाई है। 16 फरवरी को भिवाड़ी के खुशखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में अवैध रूप से पटाखा बनाते समय धमाका हुआ था। इसमें ठेकेदार सहित 7 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे। भिवाड़ी एएसपी अतुल साहू ने बताया- विस्फोट मामले में तीसरे नामजद आरोपी प्लॉट मालिक राजेंद्र कुमार के गाजियाबाद स्थित घर पर 16 फरवरी की रात पुलिस की टीम पहुंची थी। वहां परिवार वालों ने बताया था कि राजेंद्र को ब्रेन ट्यूमर है।

राहुल गांधी देश की सुरक्षा के लिए खतरा

- रिजिजू बोले-ऐसा अपोजिशन लीडर इतिहास में नहीं देखा

उनके नक्सलियों से रिश्ते,संसद में उनका बर्ताव बचकाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी भारत की सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक इंसान बन गए हैं। वे भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हैं। वे नक्सलियों, उग्रवादियों और जॉर्ज सोरोस जैसे लोगों से मिलते हैं। रिजिजू ने ये बातें न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहीं। रिजिजू ने आगे कहा कि संसद में राहुल का बर्ताव बचकाना और गैर-जिम्मेदाराना है। एक लीडर ऑफ अपोजिशन पूरे विपक्ष को रिप्रेजेंट करता है। संसद के बाहर जाकर लोगों को देशद्रोही कहना, ड्रामा वाले सिट-इन करना और एक अनपब्लिश्ड किताब लहराना। यह सब बच्चों जैसा बर्ताव है। हमने भारत के इतिहास में ऐसा लीडर ऑफ अपोजिशन कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम सिर्फ संसद में हंगामा करना है।

- **राहुल बिना सबूत के पीएम का नाम लेते हैं-** राहुल गांधी के समर्थक भी अब उन्हें गंभीरता से क्यों नहीं लेते, क्योंकि राहुल बिना सच के बोलते हैं। अगर प्रधानमंत्री किसी से मिले हैं या अगर कोई डॉक्यूमेंट मौजूद हैं तो उन्हें पेश करें। वे बिना किसी आधार के प्रधानमंत्री का नाम जबर्दस्ती ले रहे हैं। रिजिजू ने पार्लियामेंट में गांधी के बर्ताव पर भी सवाल उठाया और कहा, राहुल गांधी लोकसभा में बिना मतलब के बोल रहे हैं। अगर आप अपोजिशन लीडर हैं तो क्या आप नियमों से ऊपर हैं। रिजिजू ने आगे दावा किया कि भारत में '15-20 फीसदी लेफ्ट इकोसिस्टम' राष्ट्रवाद का विरोध करता है और भारत के डिफेंस, सिक्योरिटी और धार्मिक पहचान को समस्या मानता है। राहुल को इसी सेगमेंट से सपोर्ट मिल रहा है।

अब कांग्रेस आलाकमान से ही भिड़ गए मणिशंकर अय्यर

पार्टी को दे डाली राजीव वाली चुनौती, राहुल को भी लपेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने मंगलवार को पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अगर इस पार्टी के कर्ताधर्ता असहमति के स्वर का सामना नहीं कर सकते तो यह मुख्य विपक्षी दल के लिए विनाशकारी है और पार्टी को शासन करने का कोई अधिकार नहीं है। अय्यर ने कांग्रेस आलाकमान को यह चुनौती भी दी कि वह राहुल गांधी के मुंह से राजीव गांधी का 1989 में दिया वह

बयान फिर से दिलवाएं कि सिर्फ धर्मनिरपेक्ष भारत ही कायम रह सकता है। अय्यर ने पार्टी के खिलाफ मोर्चा उस वक्त खोला है जब उन्होंने बीते रविवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की तारीफ की थी और उनके फिर से मुख्यमंत्री बनने की संभावना जताई थी, जिसके बाद कांग्रेस ने उनकी टिप्पणी को खारिज कर दिया।

राजीव गांधी असहमति जताने वालों को भी रखते थे साथ- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, मुझसे कहा जाता है कि ईश्वर एक है और उस तक पहुंचने के रास्ते अलग अलग हैं, उसी तरह कांग्रेस एक है लेकिन कई रास्ते हैं जो कांग्रेस तक जाते हैं। उनका कहना है कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के मौजूदा कर्ताधर्ताओं द्वारा यह सबक भुला दिया गया है। उन्होंने राजीव गांधी के समय असहमति जताने वाले आरिफ मोहम्मद खान, वी पी सिंह और अरुण नेहरू का उल्लेख किया और कहा,जो ईमानदारी से असहमति रखते थे वो कांग्रेस के राजनीतिक दायरे में रहे, जिन्होंने बेईमानी से असहमति की।

ओडिशा के कोणार्क मंदिर के गर्भगृह में जा सकेंगे श्रद्धालु

122 साल से भरी रेत हटाई जा रही; इसमें 3 महीने लगेंगे

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में स्थित 13वीं शताब्दी के कोणार्क मंदिर के गर्भगृह में अब श्रद्धालु जा सकेंगे। अभी इसमें रेत भरी हुई है जिसे हटाने का काम जारी है। मंदिर के पीछे 15 फीट उंची दीवार है। इसे गिरने से बचाने के लिए अंग्रेजों ने 1903-04 में मंदिर के गर्भगृह में हजारों टन रेत भरवा दी थी। एक सदी से ज्यादा वक्त बीत चुका है, लेकिन आज तक मंदिर के गर्भगृह (जगमोहन हॉल) में कोई नहीं जा सका। भारतीय पुरातत्व विभाग और आईआईटी मद्रास के एक्सपर्ट्स की 30 लोगों की टीम को इसे हटाने का टास्क दिया गया है। एएसआई पुरी सर्किल के सुपरीटेंडेंट डीबी गढ़नायक ने बताया कि पूरी तरह रेत निकालने में 3 महीने लगेंगे। सब कुछ ठीक रहा तो एक साल बाद श्रद्धालु पहली बार इस ऐतिहासिक मंदिर के गर्भगृह में जा सकेंगे।

रिपोर्ट आने के बाद मंदिर रीस्ट्रक्चर किया

जाएगा- अंदर दीवारों का क्या हाल है। गर्भगृह का ढांचा कैसा है। यही जानने के लिए 127 फीट ऊंचे इस मंदिर में 80 फीट ऊंचाई पर इन दिनों जीरो वाइब्रेशन के साथ ड्रिल (डायमंड ड्रिल) की जा रही है। ड्रिल करके अंदर भरी रेत का सैंपल निकालकर आईआईटी मद्रास भेज दिया गया है।

- **गर्भगृह में दरारें, ढलान और असंतुलन मिला-** यह मंदिर के खतरे में होने के स्पष्ट संकेत हैं। आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट बताती है कि गर्भगृह से यदि एकसाथ रेत निकालते तो मंदिर के पत्थर खिसकने, दरारें बढ़ने का जोखिम रहता। इसलिए आईआईटी के एक्सपर्ट अरुण मेनन ने काम को कई चरणों में बांटा है। हर बार रेत हटाने के साथ पत्थरों को सपोर्ट दिया जाएगा। जिस हिस्से से रेत हटाई जाएगी, वहां स्ट्रक्चर में होने वाले हरेक बदलाव पर 40 हाई प्रिसिजन सेंसर नजर रख रहे हैं। हर सेंसर के डेटा का गहन विश्लेषण आईआईटी की टीम कर रही है। छोटी सी गलती मंदिर को बड़ा नुकसान दे सकती है, इसलिए बहुत सावधानी बरतनी पड़ रही हैं। कुछ पत्थरों में माइक्रो क्रैक्स भी मिले। इसलिए हमने रेत हटाने से पहले मंदिर के स्ट्रक्चर को मजबूती देना तय किया।
- **अंदर की रेत बैठ चुकी है, ऊपरी हिस्सा खाली हो गया-** कोणार्क सूर्य मंदिर में गाइड का काम कर रहे सुकांत कुमार पाड़ी ने बताया कि गर्भगृह में क्या है, यह कोई नहीं जानता। काफी पहले गर्भगृह के बाहर कुछ हिस्से में काम चल रहा था, तब पाइप के माध्यम से मैंने आवाज लगाई तो दूसरी ओर जा रही थी यानी रेत नीचे आ चुकी है। उन्होंने बताया कि इस मंदिर को 13वीं सदी में राजा नरसिंह देव (प्रथम) ने 12 साल में बनवाया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छत्रपति शिवाजी की अमर विरासत और आधुनिक भारत की दिशा

शिवाजी महाराज की शासन व्यवस्था भी उतनी ही प्रभावशाली थी जितनी उनकी युद्धनीति। उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की स्थापना की, जिसमें विभिन्न विभागों के मंत्री नियुक्त थे। प्रशासन में पारदर्शिता, न्याय और जनकल्याण को प्राथमिकता दी गई। भूमि राजस्व व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया गया ताकि किसानों पर अत्याचार न हो। महिलाओं के सम्मान की रक्षा उनके शासन का मूल सिद्धांत था-युद्ध में पकड़ी गई महिलाओं को सम्मानपूर्वक उनके घर भेजने की परंपरा उन्होंने स्थापित की। धार्मिक सहिष्णुता उनके शासन की आधारशिला थी, उनकी सेना और प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों पर थे।

(लेखक - ललित गर्ग)

19 फरवरी भारत के इतिहास का वह गौरवपूर्ण दिवस है, जब हम छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाते हैं। यह केवल एक जन्मतिथि का स्मरण नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उस अद्भुत अध्याय का उत्सव है, जिसने पराधीनता के अंधकार में स्वराज्य का दीप प्रज्वलित किया। सत्रहवीं शताब्दी में जब भारत का बड़ा भूभाग मुगल सत्ता, विशेषतः औरंगजेब के कठोर शासन के अधीन था, तब सह्याद्रि की पर्वतमालाओं से एक युवा योद्धा ने यह उद्घोष किया कि 'हिंदवी स्वराज्य' केवल स्वप्न नहीं, बल्कि संकल्प है-और उस संकल्प को साकार कर दिखाया।

शिवाजी महाराज का जन्म 1630 में शिवनेरी दुर्ग पर हुआ। उनका नाम भगवान शिव पर नहीं, बल्कि देवी शिवई के नाम पर रखा गया-यह तथ्य ही बताता है कि उनके जीवन की प्रेरणा शक्ति और साहस की आराधना में निहित थी। उनकी माता जीजाबाई ने उन्हें रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं के माध्यम से धर्म, नीति और राष्ट्रधर्म का संस्कार दिया। दादाजी कोंडदेव के मार्गदर्शन में उन्होंने शास्त्र और शस्त्र दोनों का संतुलित ज्ञान प्राप्त किया। यही संतुलन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता बना-वे केवल तलवार के धनी नहीं, बल्कि नीति और दूरदर्शिता के भी अद्वितीय उदाहरण थे।

शिवाजी महाराज का सबसे बड़ा योगदान हिंदू साम्राज्य की स्थापना है, जिसे उन्होंने 卐हिंदवी स्वराज्य卐 कहा। यह किसी एक संप्रदाय का राज्य नहीं था, बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता और सम्मान का प्रतीक था। उन्होंने छोटे-छोटे किलों से शुरुआत कर एक संगठित मराठा शक्ति का निर्माण किया। तोरणा, रायगढ़, प्रतापगढ़ जैसे दुर्ग केवल पत्थरों की संरचनाएँ नहीं थे, बल्कि स्वराज्य के प्रहरी थे। गुरिल्ला युद्धकला में उनकी दक्षता अद्भुत थी। मुगल सेनापति उन्हें 卐पहाड़ी चूहा卐 कहकर उपहास करना चाहते थे, परंतु वही रणनीति मुगलों की सबसे बड़ी कमजोरी बन गई। वे भूगोल को अपनी शक्ति में बदलने की कला जानते थे-तेजी से आक्रमण, अचानक प्रहार और सुरक्षित वापसी उनकी युद्धनीति का आधार था।

उनकी वीरता का शिखर तब दिखाई देता है जब उन्होंने औरंगजेब की विशाल साम्राज्यवादी शक्ति को खुली चुनौती दी। आगरा में बंदी बनाए जाने के बाद उनका साहसिक पलायन केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि मुगल सत्ता के अहंकार पर करारा प्रहार था। इसके पश्चात उन्होंने 1674 में रायगढ़ में विधिवत राज्याभिषेक कर स्वयं को 卐छत्रपति卐 घोषित किया। यह घटना केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी प्रतीक थी-सदियों बाद किसी हिंदू राजा का वैदिक विधि से राज्याभिषेक हुआ था।

शिवाजी महाराज की शासन व्यवस्था भी उतनी ही प्रभावशाली थी जितनी उनकी युद्धनीति। उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की स्थापना की, जिसमें विभिन्न विभागों के मंत्री नियुक्त थे। प्रशासन में पारदर्शिता, न्याय और जनकल्याण को प्राथमिकता दी गई। भूमि राजस्व व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया गया ताकि किसानों पर अत्याचार न हो। महिलाओं के सम्मान की रक्षा उनके शासन का मूल सिद्धांत था-युद्ध में पकड़ी गई महिलाओं को सम्मानपूर्वक उनके घर भेजने की परंपरा उन्होंने स्थापित की। धार्मिक सहिष्णुता उनके शासन की आधारशिला थी, उनकी सेना और प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों पर थे। उन्होंने किसी भी मस्जिद या पूजा स्थल को क्षति पहुँचाने की अनुमति नहीं दी। इस प्रकार उनका हिंदू स्वराज्य संकीर्ण नहीं, बल्कि उदार और समावेशी था।

शिवाजी महाराज भारत के उन शुरुआती शासकों में थे जिन्होंने समुद्री शक्ति के महत्व को समझा। उन्होंने एक सशक्त नौसेना का निर्माण किया और कोंकण तट की सुरक्षा सुनिश्चित की। विदेशी आक्रमणकारियों-विशेषतः पुर्तगालियों और सिद्धियोंकृके विरुद्ध यह रणनीति अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई। यह दूरदर्शिता दर्शाती है कि वे केवल तत्कालीन संघर्षों तक सीमित नहीं थे, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी भांपने की क्षमता रखते थे।

भारतीय संस्कृति और अस्मिता के लिए उनका त्याग अतुलनीय है। उन्होंने विलासिता का जीवन त्यागकर कठिन संघर्ष का मार्ग चुना। निरंतर युद्ध, षड्यंत्र और चुनौतियों के बीच भी उन्होंने राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि स्वराज्य केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का भी प्रश्न है। उन्होंने जनमानस में यह विश्वास जगाया कि विदेशी सत्ता अजेय नहीं है और संगठित प्रयास से स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है।

आधुनिक संदर्भ में यदि हम इस विरासत को देखें, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आज के भारत में शिवाजी के आदर्श कितने प्रासंगिक हैं। वर्तमान समय में जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका सुदृढ़ कर रहा है, तब राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सुशासन की अवधारणाएँ पुनः केंद्र में हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, सशक्त रक्षा नीति और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण पर विशेष बल दिया है। यहाँ तुलनात्मक विवेचना की जा सकती है, यद्यपि दोनों युगों की परिस्थितियाँ भिन्न हैं।

शिवाजी महाराज ने स्वदेशी सैन्य शक्ति पर भरोसा किया और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से साम्राज्य खड़ा किया। आधुनिक भारत में आत्मनिर्भर भारत अभियान उसी भावना का आधुनिक रूप प्रतीत होता है, जहाँ रक्षा उत्पादन और आर्थिक सशक्तिकरण पर बल दिया जा रहा है। शिवाजी ने किलों और नौसेना के माध्यम से सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की, आज भारत आधुनिक तकनीक और रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहा है। शिवाजी का प्रशासन जनकल्याण और पारदर्शिता पर आधारित थाय समकालीन शासन में डिजिटल पारदर्शिता, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और भ्रष्टाचार-नियंत्रण की पहलें उसी आदर्श की झलक देती हैं।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दृष्टि से भी समानता देखी जा सकती है। शिवाजी महाराज ने हिंदू परंपराओं और प्रतीकों को पुनर्स्थापित कर जनमानस में आत्मगौरव जगाया। आज भी भारत में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, तीर्थस्थलों के विकास और ऐतिहासिक विरासत के पुनरोद्धार पर बल दिया जा रहा है। अंतर केवल इतना है कि शिवाजी का संघर्ष प्रत्यक्ष सैन्य टकराव का था, जबकि आधुनिक भारत का संघर्ष वैश्विक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक संतुलन का है।

फिर भी, तुलनात्मक विवेचना करते समय यह स्मरण रखना चाहिए कि शिवाजी महाराज का युग पूर्णतः भिन्न राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों में था। वे एक उभरते हुए स्वराज्य के संस्थापक थे, आज का भारत एक स्थापित लोकतांत्रिक गणराज्य है। अतः समानताओं को प्रेरणा के रूप में देखना चाहिए, न कि पूर्ण समानता के रूप में। शिवाजी की सबसे बड़ी सीख है-साहस, संगठन, दूरदर्शिता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना। यही मूल्य किसी भी युग में प्रासंगिक रहते हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि राष्ट्र निर्माण केवल तलवार से नहीं, बल्कि नीति, नैतिकता और जनविश्वास से होता है। उन्होंने दिखाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि नेतृत्व दृढ़ हो तो असंभव भी संभव हो सकता है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को केवल उत्सव तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने आचरण और राष्ट्रीय जीवन में उतारें। भारतीय अस्मिता का अर्थ किसी के प्रति द्वेष नहीं, बल्कि अपने स्वत्व का सम्मान है-और यही संदेश शिवाजी महाराज के जीवन से हमें मिलता है। उनकी 394वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए हम संकल्प लें कि स्वराज्य की उस भावना को, जिसे उन्होंने सह्याद्रि की घाटियों से जगाया था, हम आधुनिक भारत की प्रगति और वैश्विक नेतृत्व में रूपांतरित करेंगे। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

सुरक्षा कवच में छिद्र

एक दशक पूर्व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना यानी पीएमएफबीवाई इस मकसद से शुरू की गई थी कि देश के अन्नदाता के हित तमाम ऊंच-नीच में सुरक्षित रह सकें। सदियों से प्राकृतिक आपदाओं का त्रास पीढ़ी-दर-पीढ़ी भुगतते किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने का प्रयास मोदी सरकार ने किया था। मकसद था किसान हितों को प्राथमिकता दी जाए। लेकिन जिस पीएमएफबीवाई के आज दस साल पूरे हो रहे हैं, वह आज एक चुनौतिपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। जिसके वास्तविक लाभों पर मंथन करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दरअसल, मोदी सरकार ने वर्ष 2016 में खेती-किसानी में एक बड़े जोखिम को कम से कम करने का प्रयास किया था। फसल बीमा से किसानों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दरअसल, इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य किसानों को जलवायु और बाजारों की बढ़ती अस्थिरता से बचाना था। लेकिन विडंबना यही है कि इस योजना के अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाये। बल्कि यह योजना बीमा कंपनियों के लिये दुधारू गाय बनकर रह गई। यहां तक कि भाजपा शासित राज्यों हरियाणा और राजस्थान से मिली प्राथमिक जानकारी से पता चला है कि इस योजना का लाभ किसान के बजाय बीमा कंपनियां जमकर उठा रही हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच, हरियाणा में बीमा कंपनियों ने पीएमएफबीवाई के तहत 2,827 करोड़ रुपये का सकल प्रीमियम एकत्र किया था। लेकिन जहां तक फसलों को हुई क्षति के लिये दावों के भुगतान का प्रश्न है, केवल 731 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया है। यानी बीमा कंपनियों को सीधे-सीधे 2,000 करोड़ से अधिक का लाभ हुआ है। इतना ही नहीं, शेष देश के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। केवल तीन वर्षों में ही 82,015 करोड़ रुपये बीमा कंपनियों द्वारा प्रीमियम के रूप में एकत्रित किए गए। जबकि किसानों को क्षतिपूर्ति के लिये मात्र 34,799 करोड़ रुपये ही वितरित किए गए। बीमा कंपनियों को 47,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ हुआ। यह विडंबना ही है कि जिस महत्वाकांक्षी फसल बीमा योजना को किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिये लाया गया था, वो बीमा कपंनियों की मुनाफाखोरी का जरिया बन गई है। निश्चय ही देश की खाद्य सुरक्षा व किसान हित में योजना को बीमा कंपनियों के मुनाफे का जरिया बनने से रोकने की जरूरत है। बल्कि फसल बीमा योजना के क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि किसान को अधिक लाभ मिल सके। हरियाणा के कुछ हिस्सों में किसानों के दावों में की जाने वाली देरी अथवा किसानों के दावे खारिज किए जाने के खिलाफ धरना देने की बात भी सामने आई है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान में फसल बीमा योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। अनुचित लाभ उठाने के लिये जाली फॉर्म और फर्जी बैंक खातों का उपयोग किया गया है। निस्संदेह, यदि बीमा कंपनियां सिर्फ मुनाफा कमाती रहीं और किसान को योजना का लाभ पर्याप्त रूप से न मिला, तो निश्चित रूप से किसानों का इस योजना से भरोसा उठ जाएगा। ऐसे में यदि किसान अनियमित मौसम की मार, बढ़ते कर्ज के बोझ और नौकरशाही की बाधाओं से जूझते रहे तो वे योजना का लाभ पाने से वंचित हो जाएंगे। निस्संदेह, पीएमएफबीवाई किसानों के हितों को संरक्षित करने की एक महत्वाकांक्षी योजना है। जिसमें पारदर्शिता बढ़ाने के लिये सैटेलाइट इमेजरी, ड्रोन और तकनीक आधारित उपज अनुमान प्रणाली को एकीकृत करने का प्रयास किया गया था।

बड़े- बुजुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं,उनके अनुभवों का खजाना हमारे युवाओं का भविष्य है

(लेखक किशन सनमुखदास भावनानी)

भारत आदि-अनादि काल से ही संस्कारों की खान रहा है। यहां की मिट्टी में ही गॉड गिफ्टेड संस्कारों की ऐसीअदृश्य शक्ति समाई हुई है कि मानव जन्म से ही संस्कारों की प्रतिभा मानवीय जीवों में समाहित हो जाती है इसमें कोई दो राय नहीं है, परंतु जीव की उम्र बढ़ने के साथ-साथ पाश्चात्य संस्कृति की ललक अनेक अपवाद स्वरूपी मनीषियों में समाहित हो जाती है,जो बड़े बुजुर्गों का सम्मान तो नहीं परंतु अनादर करने पर उतारू हो जाते हैं? जिससे समाज में यह दूषित भावना पनपने का संदेह बना रहता है। इसलिए हम आज के युग में देख रहे हैं कि शासन- प्रशासन सामाजिक संस्थाएं, बुद्धिजीवी वर्ग, बड़े बुजुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करने हमारी हजारों वर्ष पुरानी परंपरा,धरोहर और वैचारिक शक्तिबल को संरक्षित, सुरक्षित करने के लिए अनेक वेबिनार, कार्यक्रम, अभियान चलाए जा रहे हैं ।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों का ध्यान रखनें की जवाबदारी व जिम्मेदारी युवा वर्ग की अधिक है जिन्हें भारत माता की गोद से मिले संस्कारों को प्राथमिकता से सजग होकर रेखांकित करना अनिवार्य है। बड़े बुजुर्गों की सेवा कर उन्हें मान-सम्मान देकर अत्यधिक पुण्य कमाना है। क्योंकि जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारा तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे तो समझो वरदान खुशी और आशीर्वाद एकसाथ तुम्हें यूं ही मिल गया क्योंकि बड़े बुजुर्गों में ईश्वर अल्लाह का एक रूप समाहित होता है।

साथियों बात अगर हम वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो वैश्विक स्तरपर भारत सबसे पुरानां आध्यात्मिकता में गहरी आस्था रखने वाला देश है यहां आध्यात्मिकता का विस्तार तेजी से हुआ है जो एक अच्छी बात है परंतु मेरा मानना है कि उसी तेजी के साथ मनीषियों की आस्था माता-पिता, बड़े बुजुर्गों के मान सम्मान सेवाभाव के प्रति अपेक्षाकृत कम होकर संकुचित होने के संकेत हाल के पश्चात संस्कृति की घुसपैठ के चलते मिल रहे हैं।कई परिवार टूट रहे हैं, वृद्धाआश्रमों में बुजुर्गों की तादाद बढ़ रही है आखिर ऐसा क्यों ? मैंने अनेक ऐसे मनीषियों को भी देखा है जो अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों से तो अलग रहते हैं, उनकी सेवा खुशी का ध्यान नहीं परंतु आध्यात्मिकता क्षेत्र में उनके नामपर बहुत बड़े सेवा भावी होंनें और आस्था का डंका बजता है यह देख मुझे बहुत हैरानी होती है।

साथियों बात अगर हम ऐसे बड़े बुजुर्गों की करें जिनको अपनों ने ठुकराया है तो मैंने स्वयंम कुछ बुजुर्गों से बात की तो उनका बड़प्पन देखिए कि अपने दुख दर्द बांटने की अपेक्षा उन्होंने अपनों की तारीफ ही की,वाह क्या बात है,आप ईश्वर अल्लाह के तुल्य हैं कहकर अनायास ही मेरे हाथ उनके चरणों में झुक गए तो उनकी आंखों में आंसू आ गए।

साथियों ऐसे अनेक पीड़ित हर मेट्रोसिटी, शहर,गांव में हैं ऐसे किस्से हमें अपने शहरों में भी ज़रूर देखने कोमिलते होंगे जिसे हम सब को मिलकर इस स्थिति को बदलना की ओर कदम बढ़ाना ही होगा।

साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों के वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो मेरा मानना है कि इनकी आशीर्वाद वरदान इस सृष्टि में सबसे बड़ा है इसके तुल्य किसी आध्यात्मिक आस्था मेंआशीर्वाद वरदान नहीं होंगे बस हम मनीषियों को यह बात अपने हृदय व मस्तिष्क में फिट करनी होगी।

साथियों बात अगर हम नई पीढ़ी, युवकों की करें तो, बूढ़े व्यक्ति के पास स्मृतियां, जवान के पास कल्पनाएं हैं, यदि घर-घर दोनों का मेल बने तो कमाल हो जायेगा। धरती पर स्वर्ग उतर आयेगा, जबकि नई पीढ़ी को चाहिए माता-पिता के उत्तम गुणों के वारिस बनें, अपने बड़ों को मान दें, क्योंकि वृद्धों का जो वर्तमान है, वही युवाओं का भविष्य है। इसलिए यदि नई पीढ़ी अपने बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद वरदान लेंने, उनका देवताओं की तरह पूजन करने, मिलकर रहने, सहयोग करने की सोच अपना ले, तो घरों केअन्दर प्रेम, सद्भाव जाग जाएगा और धरती में स्वर्ग उतर आयेगा।

साथियों जरूरत है युवा-वर्ग माँ-बाप की अवहेलना न करे। बड़ों के प्रति सम्मान की भावना रहे। क्योंकि बूढ़ी आंखों में जब आंसू आते हैं, हृदय पर जब व्यंग बाण लगते हैं, शरीर काम नहीं करता और नींद आती नहीं तो ऐसे में व्यक्ति का जीना कठिन हो जाता है। वैसे भी बड़े-बुजुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं। उनके पास अनुभवों का खजाना है, इसलिए उनके अनुभवों का लाभ उठाएं। कभी भूलकर भी उनसे अपशब्द न कहें। साथ ही अपने बच्चों को बड़ों के पास बैठने का अवसर दिया करें, क्योंकि उनके आशीर्वादों से बच्चे फलते- फूलते हैं। अन्य लोग स्वयं भी बुजुर्गों के पास दो मिनट बैठकर उनकी बात सुनें,उनका हाल- चाल पूछें।जिस व्यक्ति के सिरपर माँ-बाप का साया है, वह धन्य है। घर में बड़े बुजुर्गों का होना बहुत सौभाग्य माना जाता है और माँ-बाप की सेवा करने वाली सन्तान श्रेष्ठ। बच्चे को माता- पिता से आशीर्वाद माँगना नहीं पड़ता, अपने आप हृदय से मिल जाता है और माँ-बाप के हृदय से निकले हुए इस आशीष की कोई समानता नहीं है।बड़ी विडंबना का समय है पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव के कारण आज के युवा माँ-बाप को नमन-वन्दन करने में लजाते हैं,जब कि कोई बच्चा व युवा जब अपने माता-पिता, दादा- दादी अथवा सद्गुरु के चरणों में शीष झुकाता है, तो उनके दिल में आनन्द की हिलोर उठने लगती है और तेजरूपी प्रकाश की किरणें विनर्म्होते ही चरणों में झुके सुपुत्र, सदशिष्य के अन्दर प्रवेश कर जाती हैं। जिसके प्रतिफलस्वरूप उस युवा को आयु, विद्या, यश और बल की प्राप्ति होती है। ये चारों अनमोल उपहार किसी अन्य कीमत एवं किसी अन्य स्थान से प्राप्त नहीं हो सकते। इनका केन्द्र तो माता-पिता, वृद्धजन एवं गुरुजन ही हैं।

अत:अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किबड़े-बुजुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं,उनके अनुभवों का खजाना हमारे युवाओं का भविष्य है भारतीय घरों में बड़े बुजुर्गों का होना बहुत सौभाग्य माना जाता है और माँ-बाप की सेवा करने वाली सन्तान श्रेष्ठ जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे, समझो वरदान, खुशी आशीर्वाद एक साथ मिला

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

दीर्घजीवी होती है विनम्रता

एक साधु बहुत बूढ़े हो गए थे। उनके जीवन का आखिरी क्षण आ पहुंचा। आखिरी क्षणों में उन्होंने अपने शिष्यों और चेलों को पास बुलाया। जब सब उनके पास आ गए, तब उन्होंने अपना पोपला मुंह पूरा खोल दिया और शिष्यों से बोले- 'देखो, मेरे मुंह में कितने दांत बच गए हैं?' शिष्यों ने उनके मुंह की ओर देखा।

कुछ टटोलते हुए वे लगभग एक स्वर में बोल उठे- 'महाराज आपका तो एक भी दांत शेष नहीं बचा। शायद कई वर्षों से आपका एक भी दांत नहीं है' साधु बोले-'देखो, मेरी जीभ तो बची हुई है' सबने उत्तर दिया- 'हां, आपकी जीभ अवश्य बची हुई है'

इस पर साधू ने कहा- 'पर यह हुआ कैसे? मेरे जन्म के समय जीभ थी और आज मैं यह चोला छोड़ रहा हूं तो भी यह जीभ बची हुई है।

ये दांत पीछे पैदा हुए, ये जीभ से पहले कैसे विदा हो गए? इसका क्या कारण है, कभी सोचा?' शिष्यों ने उत्तर दिया-'हमें मालूम नहीं। महाराज, आप ही बतलाइए' उस समय मृदु आवाज में संत ने समझाया - यही रहस्य बताने के लिए मैंने तुम सबको इस बेला में बुलाया है।

इस जीभ में माधुर्य था, मृदुता थी और खुद भी कोमल थी, इसलिए वह आज भी मेरे पास है, परंतु मेरे दांतों में शुरू से ही कठोरता थी, इसलिए वे पीछे आकर भी पहले खत्म हो गए, अपनी कठोरता के कारण ही ये दीर्घजीवी नहीं हो सके। दीर्घजीवी होना चाहते हो तो कठोरता छोड़ो और विनम्रता सेखो।

विचार मंथन

भारतीय सेवाओं में आरक्षण? जाति जनगणना की मांग बेमानी नहीं

(लेखक-सनत जैन)

हाल ही में राज्यसभा में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से जो जानकारी राज्यसभा में दी गई है। उसके आंकड़ों ने एक बार फिर भारतीय प्रशासनिक ढांचे में प्रतिनिधित्व के सवाल को विवाद में लाकर खड़ा कर दिया है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संसद में अखिल भारतीय सेवाओं—आईएएस, आईपीएस और आईएफएस के अधिकारियों की सामाजिक श्रेणीवार जानकारी संख्या के साथ प्रस्तुत की है। यह आंकड़े सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड का हिस्सा है। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार 01 जनवरी, 2025 की स्थिति में आईएएस के 6877 पद में 5577 की नियुक्ति है। इसमें ओबीसी के 245, एससी के 135, एसटी के 67 अधिकारी हैं। 1300 पद खाली पड़े हैं। 5577 पदों में 5130 पद सामान्य वर्ग के हैं। एसटी, एससी, पिछड़ा वर्ग के मात्र 447 अधिकारी हैं। इसका मतलब है यूपीएससी की नियुक्ति में आरक्षण का पालन नहीं किया जा रहा है। 1300 पद खाली हैं। इसके बाद भी आईएएस के पदों के समकक्ष सरकार संविदा में नियुक्ति कर रही है। राहुल गांधी ने आरक्षण को लेकर जो बात कही थी। उक्त आंकड़े उनकी बात की पुष्टि करते हुए नजर आ रहे हैं। भारतीय सेवा में जो अधिकारी नियुक्त हैं आरक्षण होने के बाद भी एसटी ,एससी और ओबीसी वर्ग की जातियों को प्रति निधित्व नहीं मिला है। आंकड़ों के अनुसार स्वीकृत पदों और वास्तविक तैनाती में भारी अंतर है। भारतीय सेवा में आईएएस, आईपीएस, आईएफएस का चयन यूपीएससी के माध्यम से नियुक्ति होती है। उस नियुक्ति में आरक्षित वर्ग जिसमें पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों की हिस्सेदारी उनकी जनसंख्या के अनुपात की तुलना में ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। यह स्थिति तब है, जब संविधान प्रदत्त आरक्षण व्यवस्था, लागू है। आरक्षण का उद्देश्य प्रशासनिक ढांचे में सामाजिक न्याय और समावेशिता सुनिश्चित करने का संवैधानिक प्रावधान है। प्रश्न यह नहीं है, किसी वर्ग का प्रतिनिधित्व अधिक है या कम है। प्रश्न यह है आरक्षण की नीति अपने मूल उद्देश्य को प्राप्त कर पा रही है? यदि हजारों पद वर्षों तक रिक्त पड़े हैं। जो नियुक्तियां की गई है उनमें आरक्षण का पालन नहीं किया गया है। स्वाभाविक है, इससे आरक्षित वर्गों की भागीदारी प्रभावित होगी। रिक्तियों को समय पर न भरना, नियुक्ति करते समय आरक्षण का पालन नहीं करना, केवल प्रशासनिक अक्षमता का मामला नही है। यह सामाजिक एवं राजनीतिक संतुलन से भी जुड़ा है। राहुल गांधी जिस तरह से जाति जनगणना की मांग मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी और विपक्षी दलों की इस मांग को खारिज करना तर्कसंगत नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में 80-20 को लेकर हिंदुओं और धार्मिक संदर्भ में धुव्रीकरण का जो प्रयास हुआ है। यदि हिंदुओं के एक बहुत बड़े वर्ग जिसमें एसटी, एससी और पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में 80ब्र हिंदुओं को एकजुट नहीं रखा जा सकता है। नीति निर्माण सटीक आंकड़ों और पारदर्शिता पर आधारित होना चाहिए। यदि सरकार के पास अद्यतन और विस्तृत सामाजिक-आर्थिक डेटा उपलब्ध नहीं होगा,तो सरकार समान प्रतिनिधित्व, अवसरों और संसाधनों के वितरण पर किस तरह से प्रभावी निर्णय ले सकेगी? जाति जनगणना का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि वास्तविक स्थिति को समझना और नीति को अधिक न्यायसंगत बनाना है। जाति जनगणना को राजनीतिक दलों को हथियार नहीं बनना चाहिए। जाति जनगणना के आंकड़ों का उपयोग बेहतर सामाजिक व्यवस्था को विकसित करना मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। सरकार को चाहिए कि इतना संवेदनशील मामला भावनात्मक या टकरावपूर्ण बहस में ना बदला जाए। नाही इसका राजनीतिक कारणों में उपयोग होना चाहिए। जाति जनगणना के माध्यम से सभी वर्गों के लिए प्रशासन की गुणवत्ता, योग्यता और सभी वर्गों के सार्वजनिक हित सर्वोपरि प्राथमिकता के लिए होना चाहिए। सामाजिक प्रतिनिधित्व को सभी वर्गों के उत्थान राजनीतिक एवं प्रशासनिक क्षमता में उचित प्रतिनिधित्व का संतुलन ही लोकतंत्र को मजबूत बनाएगा। जो जानकारी राज्यसभा के माध्यम से सामने आई है। उसके बाद सवाल यही है, क्या वर्तमान व्यवस्था सामाजिक न्याय के लक्ष्य के अनुरूप है? यदि नहीं, तो सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाना समय की मांग है। संसद में रखे गए आंकड़े बहस का आधार अवश्य बन सकते हैं। समाधान, व्यापक संवाद, पारदर्शिता और राजनीतिक इच्छाशक्ति से ही संभव है। जाति एवं आर्थिक जनगणना के माध्यम से जो जानकारी मिलेगी उसके अनुसार सरकार अपनी नीतियां बनाये। भारत में जो वर्ग आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर है। उसको मुख्य धारा में लाने के लिए सभी राजनीतिक दल, केंद्र एवं राज्य सरकारें बिना किसी भेदभाव के उन्हें आगे बढ़ाने में मदद करें, तभी सही मायने में बेहतर सामाजिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थापना हो सकेगी। जाति जनगणना का मामला अब इतना आगे बढ़ गया है। यदि इसे 2027 की जनगणना में उसे शामिल नहीं किया गया, तो हिंदुओं को एकजुट रख पाना मुश्किल होगा। पिछले 12 वर्षों में सरकार ने धार्मिक धुव्रीकरण को लेकर जो जन जागृति पैदा की है। उसमें हिंदुओं के सभी वर्गों को जोड़े रखने के लिए जाति जनगणना समय की मांग है। राज्यसभा में जिस तरह की जानकारी आई है, उसके बाद भी जाति जनगणना का निर्णय सरकार द्वारा नहीं लिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 283 अंक चढ़ा, निफ्टी 25800 के पार

नई दिल्ली।

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। बैंक, धातु और एफएमसीजी शेयरों में अंतिम समय की खरीदारी के चलते बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने बुधवार को लगातार तीसरे सत्र में अपनी बढ़त जारी रखी। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 283.29 अंक या 0.34 प्रतिशत बढक़र 83,734.25 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसने 83,770.05 का उच्चतम स्तर छुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 93.95 अंक या 0.37 प्रतिशत बढक़र 25,819.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा स्टील, आईटीसी, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, सन फार्मास्यूटिकल्स और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियां थीं। दूसरी ओर, इटरनल, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अदानी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंडिगो, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी इंडिया पावरग्रिड और एचडीएफसी बैंक पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 बेंचमार्क 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इस बीच, चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के कारण चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार बंद रहे। सत्र के मध्य में यूरोपीय बाजारों में तेजी देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुआ।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 90.69 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 90.67 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत डॉलर और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.72 पर खुला। हालांकि बाद में फिसलकर 90.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसा की बढ़त दिखाता है। रुपया गत दिवस सोमवार को आठ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ 97.14 पर रहा।

अमेरिका में यूट्यूब प्लेटफॉर्म अचानक बंद, यूजर्स ने की शिकायतें

वाशिंगटन। अमेरिका में यूट्यूब प्लेटफॉर्म अचानक बंद हो गया, जिससे लाखों यूजर्स परेशान हुए। रिपोर्ट के मुताबिक 3,21,958 लोगों ने यूट्यूब पर दिक्कत होने की जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को यूट्यूब टीवी पर 8,923 यूजर्स ने समस्या दर्ज की, जबकि गूगल से जुड़े 2,694 मामले सामने आए। उपयोगकर्ताओं ने वीडियो स्ट्रीमिंग, ऐप खोलने और लॉगिन करने में कठिनाई की शिकायत की। इस घटना के बाद सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म पर यूजर्स ने अपने अनुभव साझा किए, जिसमें कई लोग कह रहे थे कि वीडियो स्ट्रीम नहीं हो रहे थे और चैनल या सब्सक्रिप्शन पेज भी लोड नहीं हो रहे थे। इस समय गूगल ने इस आउटेज पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसी तकनीकी बाधाएं कभी-कभी सर्वर या नेटवर्क में अस्थायी गड़बड़ी के कारण होती हैं।

नई नोवा फुल-फेस हेलमेट सीरीज पेश

नई दिल्ली । वाहन चालकों की सुरक्षा के मददेनजर एसएमके हेलमेट्स ने अपनी नई नोवा फुल-फेस हेलमेट सीरीज पेश की है। कंपनी ने इसे किफायती कीमत पर उपलब्ध कराया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग सेफ्टी को प्राथमिकता दे सकें। नोवा सीरीज दो वेरिएंट सॉलिड और ट्रैक में लॉन्च की गई है। सॉलिड मॉडल की शुरुआती कीमत 4,000 रुपये और ट्रैक वेरिएंट 4,300 रुपये से शुरू होता है। एक्सएस से एक्सएक्सएल तक के साइज में उपलब्ध ये हेलमेट देशभर के अधिकृत डीलर्स और एक्सेसरी स्टोर्स पर ग्लॉस और मैट फिनिश में खरीदे जा सकते हैं। हेलमेट को एनजी इम्पैक्ट रेसिस्टेंट थर्मोप्लास्टिक शेल से बनाया गया है, जो दुर्घटना के समय सिर को मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है। मल्टी-डेंसिटी ईपीएस लाइनर झटकों को अवशोषित करने में मदद करता है। यह हेलमेट ईसीई 22.06, डीओटी और आईएसआई जैसे अंतरराष्ट्रीय व भारतीय सुरक्षा मानकों पर खरा उतरता है। वाइजर ऑप्टिकली करेक्ट और स्क्रैच-रेसिस्टेंट है, साथ ही फॉगिंग रोकने के लिए पिनलॉक 30 इंसर्ट दिया गया है। क्विक-रिलीज वाइजर सिस्टम और बेहतर वेंटिलेशन राइडिंग अनुभव को आरामदायक बनाते हैं। ब्रीदेबल, हाइपोएलर्जेनिक और वॉशेबल इंटीरियर इसे और सुविधाजनक बनाता है। भारत में आईएसआई मार्क वाला हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

अटकलों पर विराम.....एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल हो रहे बिल गेटस

नई दिल्ली । भारत में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बिल गेटस शामिल होने वाले है। उनके प्रवक्ता ने मंगलवार को यह साफ कर उनकी भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया। इसके पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं कि दिल्ली में चल रहे एआई समिट में गेट्स शामिल नहीं हो रहे हैं, क्योंकि कथित तौर पर उनका नाम कार्यक्रम की 'ग्लोबल विजनरीज' सूची से गायब था। हालांकि, अब आधिकारिक पुष्टि के बाद यह साफ हो गया है कि वे सम्मेलन का अहम हिस्सा बनने वाले है। इस बीच, गेट्स ने आंध्रप्रदेश के तेज विकास की सराहना की। अमरावती यात्रा के बाद उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से राज्य की प्रगति को गति मिलते देखना उत्साहजनक है। उन्होंने पोस्ट कर मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू को गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। गेट्स ने स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा के क्षेत्रों में राज्य द्वारा अपनाए जा रहे नवाचारों की विशेष प्रशंसा की। सोमवार को बिल गेट्स ने राजधानी क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, तकनीक आधारित शासन पहलों की समीक्षा की तथा गुंटूर जिले के उंडावल्ली गांव में कृष्णा नदी के किनारे स्थित एक केले के बागान का दौरा भी किया। यह शिखर सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला अंतर्राष्ट्रीय एआई समिट है। 70,000 वर्ग मीटर में फैले 10 एरेना में आयोजित इस एक्सपो में 13 देशों के पवेलियन शामिल हैं, जो एआई पारिस्थितिकी तंत्र में वैश्विक सहयोग को प्रदर्शित कर रहे हैं। सम्मेलन को नीति, नवाचार और व्यापक कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में देखा जा रहा है।

मोटरसाइक्लिंग प्रेमियों के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बना कच्छ का रण

नई दिल्ली ।

गुजरात के कच्छ का रण अब मोटरसाइक्लिंग प्रेमियों के लिए भी आकर्षक डेस्टिनेशन बन गया है। लगातार दूसरे साल टीवीएस मोटर कंपनी ने रान उत्सव के साथ साझेदारी को मजबूत करते हुए इसे मोटरसाइक्लिंग आधारित एक्सपीरिएंशियल टूरिज्म के बड़े मंच के रूप में स्थापित किया है। इस पहल का उद्देश्य राइडिंग, मोटरस्पोर्ट और कम्युनिटी एंगेजमेंट के मिश्रण से कच्छ के रण को एक ग्लोबल मोटरसाइक्लिंग डेस्टिनेशन के तौर पर पहचान दिलाना है। इस आयोजन में देश-विदेश से 100 से ज्यादा राइडर्स ने हिस्सा लिया। इटली और मैक्सिको जैसे देशों से आए इंटरनेशनल राइडर्स ने क्यूरेटेड राइड्स के जरिए रण की विशाल सफेद धरती पर रोमांचक सफर का अनुभव किया। 'रोड टू हेवन' जैसे लोकप्रिय रूट्स पर की गई राइडिंग ने इस आयोजन को और खास बना दिया। कार्यक्रम में टीवीएस अपाचे ओनर्स ग्रुप और टीवीएस रोनिन कुल टी कम्युनिटी की पहली वेस्ट चैप्टर राइड भी आकर्षण का केंद्र रही। मुंबई, पुणे, कोल्हापुर, जयपुर और अहमदाबाद से आए राइडर्स ने विभिन्न रास्तों से होते हुए रण तक पहुंचकर अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह इलाका मोटरसाइक्लिंग के लिए बेहद उपयुक्त है। टीवीएस के प्रीमियम एरीना में कंपनी की रेसिंग विरासत के साथ अपाचे और रोनिन रेंज की बाइक्स प्रदर्शित की गईं। स्टंट शो, फ्लैट ट्रैक ट्रेनिंग, एफएमएक्स प्रदर्शन और वुमेंस ड्रिफ्ट-आर चैंपियनशिप ने लोगों को खूब आकर्षित किया। सबसे खास रही टीवीएस रान उत्सव कस्टम सीरिज, जिसमें कच्छ की संस्कृति और प्राकृतिक रंगों से प्रेरित रोनिन और अपाचे मॉडल्स के विशेष संस्करण पेश किए गए।

टाटा संस बोर्ड की बैठक अगले सप्ताह, एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर होगी चर्चा

टाटा समूह में अधिकारी आमतौर पर 65 साल की आयु में होते हैं सेवानिवृत्त

नई दिल्ली।

टाटा संस के निदेशक मंडल की अगले सप्ताह प्रस्तावित बैठक टाटा समूह के भविष्य के लिए अहम होगी। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का दूसरा कार्यकाल खत्म होने में एक साल का समय है लेकिन संभावना है कि 24 फरवरी को टाटा संस बोर्ड द्वारा उनके तीसरे पांच साल की कार्यकाल की मंजूरी पर विचार किया जा सकता है। टाटा संस के सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स ने चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल की सिफारिश करते हुए पिछले साल एक प्रस्ताव पारित किया था। उस बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन के रूप में चंद्रा के कार्यकाल को अगले पांच सालों के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि जब टाटा संस के बोर्ड में चंद्रा के कार्यकाल को बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी तब उन्हें इससे खुद को अलग रखना होगा। साल 2022 में जब चंद्रा के कार्यकाल का नवीनीकरण किया गया था तब टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन और समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा ने टाटा संस की बोर्ड बैठक में 'विशेष आमंत्रित सदस्य' के रूप में शिरकत की थी और अगले पांच सालों के लिए चंद्रा के नाम की सिफारिश की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक साइरस मिस्त्री को पद से हटाए जाने के चार महीने बाद चंद्रा ने 21 फरवरी, 2017 को टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की कमान संभाली थी। टाटा संस के बोर्ड द्वारा चंद्रा को तीसरे कार्यकाल की मंजूरी मिलती है तो वह 2032 तक समूह का नेतृत्व कर सकते हैं। टाटा समूह में अधिकारी आमतौर पर 65 साल की आयु में सेवानिवृत्त हो जाते हैं जबकि गैर-कार्यकारी भूमिकाओं में 70 साल तक पद पर रहा जा सकता है। कार्यकारी चेयरमैन के रूप में चंद्रा को एक और कार्यकाल मिलता है तो तीसरे कार्यकाल के अंत में वह 68 साल के होंगे।

सूत्र ने कहा कि चंद्रा के नवीनीकरण के समय कार्यकारी भूमिकाओं के लिए आयु में छूट दी जा सकती है। साइरस मिस्त्री को हटाने के बाद रतन टाटा द्वारा कुछ समय के लिए कार्यकारी भूमिका संभालने के समय ऐसा ही किया गया था। जानकारों का कहना है कि चंद्रा के कार्यकाल का नवीनीकरण टाटा संस की सूचीबद्धता के मुद्दे पर भी स्पष्टता ला सकता है। टाटा ट्रस्ट्स का विचार है कि टाटा संस को सार्वजनिक सूचीबद्धता के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। सितंबर 2022 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा टाटा संस को ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में नामित किया गया था।

ब्रोक्रेज फर्म ने क्यों कहा.....ओल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर बेचकर निकल जाएं

मुंबई ।

अगर आपके पास ओल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर हैं, तब उन शेयरों को बेचकर निकलने जाने में ही भलाई है। ऐसा हम नहीं कह रहे, बल्कि यह राय ब्रोक्रेज फर्मों ने दी हैं। ब्रोक्रेज फर्मों ने ओला इलेक्ट्रिक पर अपनी रेटिंग घटाकर बाय से सेल कर दी है और अपने प्राइस टार्गेट में 51 प्रतिशत की कटौती कर 55 से घटाकर 27 रुपये कर दिया है। एक अन्य बाजार जानकार फर्म ने सबसे कम 20 रुपये का प्राइस टार्गेट दिया है। बता दें ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में मंगलवार, 17 फरवरी को शुरुआती कारोबार में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई, जो लगातार चौथे सत्र में जारी रही। पिछले छह कारोबारी दिनों में से केवल एक दिन ही इस स्टॉक में तेजी रही है। कंपनी के शेयर अब अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर के आसपास मंडरा रहे हैं, और पिछले दो महीनों में इनमें 22 प्रतिशत की गिरावट आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में ब्रोकरेज फर्मों द्वारा रेटिंग घटाए जाने से कंपनी पर दबाव और बढ़ गया है। ब्रोकेज ने भारत के दोपहिया वाहन सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों की पैठ उम्मीद से धीमी होने का हवाला दिया है।

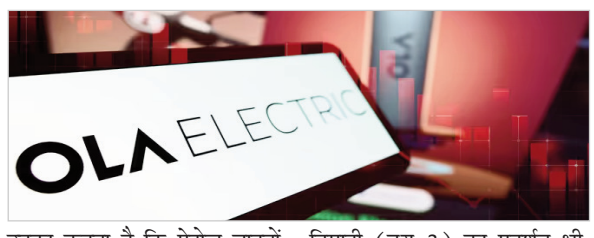

उनका कहना है कि पेट्रोल वाहनों पर जीएसटी कटौती ने कीमतों के अंतर को कम किया है, जिससे विद्युतीकरण की रफ्तार धीमी हुई है।= ब्रोक्रेज फर्मों ने सेवा से जुड़ी चुनौतियों, कड़ी प्रतिस्पर्धा और कमजोर ग्राहक धारणा के कारण कंपनी के बाजार हिस्सेदारी खोने का भी जिक्र किया। नकारात्मक परिचालन लाभ के चलते दिसंबर तिमाही (क्यू 3) का प्रदर्शन भी अनुमान से कम रहा। हालांकि, ब्रोकरेज ने बेहतर होते सकल मार्जिन और बेहतर परिचालन लाभ बढ़ाने की संभावना को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही आगाह किया कि प्रबंधन के उत्पाद और सेवा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयासों को नतीजे दिखाने में समय लग सकता है।

कोटक लाइफ ने लॉन्च किया 'कोटक सिग्नेचर लेगेसी' प्लान

99 वर्ष की आयु तक मिलेगा बढ़ता सुरक्षा कवच

मुंबई । कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाइफ) ने आज अपने नए लाइफ टर्म प्लान 'कोटक सिग्नेचर लेगेसी' के शुभारंभ की घोषणा की है। यह अभिनव योजना ग्राहकों को 99 वर्ष की आयु तक बढ़ता हुआ लाइफ कवर प्रदान करती है, जो परिवारों की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा और एक स्थायी विरासत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। यह प्लान मुख्य रूप से 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के उन व्यक्तियों की जरूरतों को पूरा करता है, जिनकी बढ़ती जिम्मेदारियों और वित्तीय प्रतिबद्धताओं के बीच वर्तमान बीमा कवर अपर्याप्त साबित हो रहा है। कोटक लाइफ के प्रबंध निदेशक महेश बालासुब्रमण्यम ने लॉन्च के अवसर पर कहा कि यह उत्पाद ग्राहकों की बदलती सुरक्षा जरूरतों के साथ निरंतर आगे बढ़ता है और परिवारों को मानसिक शांति प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगा। यह योजना दो विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें लेगेसी प्लान के तहत 99 वर्ष तक बढ़ता हुआ होल लाइफ कवर मिलता है, वहीं लेगेसी प्लस विकल्प में बढ़ते कवर के साथ प्रीमियम वापसी की सुविधा भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, उत्पाद में लाइलाज बीमारियों के कवरेज, एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट और गंभीर बीमारियों के लिए विशेष लाभ दिए गए हैं।

चीन और नॉर्थ अमेरिका में ईवी की मांग सबसे कमजोर, बिक्री में आई गिरावट

नई दिल्ली ।

दुनियाभर में जनवरी 2026 में इलेक्ट्रिक कारों की रजिस्ट्रेशन सालाना आधार पर करीब 3 प्रतिशत घटकर लगभग 12 लाख यूनिट पर आ गई। इसमें बैटरी इलेक्ट्रिक और प्लग-इन हाइब्रिड दोनों तरह की गाड़ियां शामिल हैं। यह आंकड़ा कंसल्टेंसी फर्म बेंचमार्क मिनरल इंटेलिजेंस और मीडिया रिपोर्ट से सामने आया है। साल 2026 इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अच्छी शुरुआत नहीं लेकर आया। बिक्री में गिरावट की सबसे बड़ी वजह चीन और नॉर्थ अमेरिका जैसे बड़े बाजारों में कमजोर मांग बताई जा रही है, जहां नीतियों में बदलाव और सब्सिडी में कटौती ने सीधे खरीदारों का रुझान कम किया है। विशेषज्ञों के अनुसार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर मिलने वाले सरकारी इंसेंटिव कई देशों में कम या खत्म कर दिए गए हैं। चीन और यूरोपीय यूनियन ने भी पहले दिए जाने वाले कई नियम और लाभ वापस ले लिए, जिनसे ईवी बिक्री तेजी से बढ़ रही थी। जैसे-जैसे ये सुविधाएं कम हुईं, उपभोक्ताओं की रुचि भी घटने लगी।

वहीं हाइब्रिड कारों को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है, क्योंकि ये पेट्रोल-डीजल और पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों के बीच का संतुलित और अपेक्षाकृत किफायती विकल्प देती हैं। चीन में जनवरी महीने में ईवी रजिस्ट्रेशन लगभग 20प्रतिशत गिरकर 6 लाख यूनिट से नीचे पहुंच गया, जो करीब दो साल की सबसे कम मासिक बिक्री है। सब्सिडी कटौती और नई खरीद टैक्स नीतियों ने यहां बाजार को भारी प्रभावित किया। नॉर्थ अमेरिका की स्थिति और भी खराब रही, जहां ईवी रजिस्ट्रेशन में 33 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इसके उलट, यूरोप एकमात्र बड़ा क्षेत्र रहा जहां ईवी बिक्री में वृद्धि देखने को मिली। जनवरी में यहां इलेक्ट्रिक गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन लगभग 24 प्रतिशत बढ़कर 3.20 लाख यूनिट से अधिक हो गई। हालांकि यह वृद्धि भी पिछले वर्ष की तुलना में सबसे धीमी रही। अन्य वैश्विक बाजारों में तस्वीर कुछ बेहतर रही। थाईलैंड में सरकारी इंसेंटिव, दक्षिण कोरिया और ब्राजील जैसे देशों में बढ़ती मांग के चलते ईवी रजिस्ट्रेशन 92 प्रतिशत उछलकर करीब 1.90 लाख यूनिट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। कमजोर मांग का असर कंपनियों पर भी दिखाई दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बाजार पर निर्भर बड़ी ऑटो कंपनियों को पिछले वर्ष में लगभग 55 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा।

कारों में फिजिकल स्विच को अनिवार्य बनाएगा चाइना

नई दिल्ली ।

कारों के लिए चाइनीज सरकार अब महत्वपूर्ण सेफ्टी फंक्शन्स के लिए फिजिकल स्विच को अनिवार्य बनाने की तैयारी कर रही है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम ड्राइवर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। हाल के वर्षों में टेस्ला, बीवायडी और शाओमी जैसी कंपनियों ने क्लीन, मिनिमलिस्ट और स्क्रीन-डॉमिनेटेड केबिन पेश किए हैं, जिनमें फिजिकल कंट्रोल्स बेहद कम होते हैं। कई मॉडल्स में तो इमर्जेंसी में इस्तेमाल होने वाला हैजर्ड लाइट बटन भी टचस्क्रीन पर दिया जा रहा है, जिससे सॉफ्टवेयर-आधारित सिस्टम पर निर्भरता काफी बढ़ गई है। यह प्रवृत्ति ड्राइविंग के दौरान ध्यान भटकने और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को बढ़ाती है।

प्रस्तावित नियमों के अनुसार चीन का उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय अब टर्न सिग्नल, हैजर्ड लाइट, गियर सेलेक्टर और इमर्जेंसी कॉलिंग जैसे फीचर्स के लिए अनिवार्य रूप से अलग और कम से कम 10 मिमी गुणा 10 मिमी आकार वाले फिजिकल बटन्स रखने को बाध्य करेगा। इससे कार निर्माताओं को अपने मॉडल्स का इंटीरियर फिर से डिजाइन करना होगा और टचस्क्रीन कंट्रोल्स को हटा कर पारंपरिक बटन वापिस जोड़ने पड़ेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि ड्राइविंग के दौरान टचस्क्रीन का उपयोग ड्राइवर के रिएक्शन टाइम को बढ़ा देता है, जो हाई-स्पीड ड्राइविंग में खतरनाक साबित होता है। सड़क से पलभर के लिए नजर हटाने से भी लेन में बने रहने की क्षमता प्रभावित होती है और स्टेबिलिटी कम होती है। अगर स्क्रीन धीमी चले या हैंग हो जाए, तो स्थिति और अधिक खतरनाक हो सकती है। इन्हीं जोखिमों को देखते हुए चीन में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है।

सरकार चाहती है कि तकनीक का उपयोग बढ़े, लेकिन ड्राइवर और यात्रियों की सुरक्षा किसी भी कीमत पर कम न हो। नए नियम लागू होने पर गाड़ियों में दोबारा से फिजिकल कंट्रोल्स का दौर लौटता दिख सकता है, जिससे ड्राइविंग और यात्राएं अधिक सुरक्षित बन सकेंगी। बता दें कि कार कंपनियों में तेजी से बढ़ रहा टचस्क्रीन-आधारित कंट्रोल्स का ट्रेंड अब सेफ्टी चिंताओं की वजह से सवालों के घेरे में आ गया है। कई नई कारों में एसी, क्लाइमेट कंट्रोल और जरूरी फंक्शन्स के फिजिकल बटन्स लगभग गायब हो चुके हैं। कुछ उपभोक्ताओं को टचस्क्रीन पसंद जरूर आती है, लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि फिजिकल बटन ज्यादा सुरक्षित और उपयोग में आसान होते हैं।

डीजल 7-सीटर एसयूवी बनी हुई है ग्राहकों की पहली पसंद

नई दिल्ली ।

एसयूवी सेगमेंट में डीजल 7-सीटर एसयूवी भारतीय ऑटो बाजार में आज भी ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई हैं। बाजार में कई विकल्प मौजूद हैं, जिनमें खरीददार अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से चुनाव कर सकते हैं। लंबी दूरी की यात्राओं, परिवार के उपयोग और मजबूत परफॉर्मेंस की जरूरत को देखते हुए महिंद्रा और टाटा जैसी कंपनियां इस सेगमेंट में अपने मॉडल्स पर भरोसा बनाए हुए हैं। महिंद्रा बोलेरो लंबे समय से भरोसे और मजबूती का प्रतीक रही है। इसका 1.5 लीटर डीजल इंजन पर्याप्त पावर और अच्छा माइलेज देता है, जबकि इसका मजबूत डिजाइन खराब सड़कों पर भी बेहतरीन प्रदर्शन करता है।

वहीं बोलेरो नियो इस पारंपरिक डीएनए को आधुनिक लुक और फीचर्स के साथ नए रूप में पेश करती है। बेहतर इंटीरियर, ज्यादा पावर और शहरी ग्राहकों को ध्यान में रखकर किए गए बदलाव इसे संतुलित विकल्प बनाते हैं। टाटा सफारी प्रीमियम फैमिली एसयूवी के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। इसका 2.0 लीटर डीजल इंजन, विशाल केबिन और आरामदायक तीसरी रो इसे पारिवारिक यात्राओं के लिए उपयुक्त बनाते हैं। इसी तरह महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक और स्कॉर्पियो एन रफ-टफ डिजाइन और मजबूत परफॉर्मेंस के साथ ऑफ-रोडिंग और ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों को आकर्षित करती हैं। स्कॉर्पियो एन आधुनिक फीचर्स और पावरफुल इंजन के कारण युवाओं के बीच ज्यादा लोकप्रिय है। कम बजट और मजबूती चाहिए तो बोलेरो, मॉडर्न फीचर्स के लिए बोलेरो नियो, प्रीमियम फैमिली अनुभव के लिए सफारी, रफ-टफ और ऑफ-रोडिंग के लिए स्कॉर्पियो एन और हाई-टेक लग्जरी के लिए एक्सयूवी 700 सबसे उपयुक्त विकल्प हैं। महिंद्रा एक्सयूवी 700 सेगमेंट में टेक्नोलॉजी और लग्जरी का मिश्रण पेश करती है। इसका एडवांस्ड सेफ्टी पैकेज, ताकतवर इंजन और हाई-टेक इंटीरियर इसे प्रीमियम एसयूवी चाहने वालों के लिए बेहतरीन विकल्प बनाते हैं।

यूपीआई से लेन-देन में बढ़त....फिर भी तेजी से बढ़ रहा मुद्रा का चलन

मुंबई। देश में करेंसी सर्कुलेशन जनवरी 2026 के अंत तक बढ़कर रिकॉर्ड 40 लाख करोड़ के करीब पहुंच गया है। इसमें सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो कि बीते साल समान अवधि में 5.3 प्रतिशत थी। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि जनता के पास करेंसी (सीडब्ल्यूपी) की हिस्सेदारी कुल करेंसी सर्कुलेशन में 97.6 प्रतिशत (करीब 39 लाख करोड़ रुपए) हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि देश में यूपीआई के कारण डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ा है और इससे कैश-टू-जीडीपी रेश्यो में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक,देश में एक महीने में होने वाले यूपीआई लेनदेन की वैल्यू करीब 28 लाख करोड़ रुपए है, जो कि देश के कुल करेंसी स्टॉक का करीब 70 प्रतिशत है, जो कि दिखाता है कि देश में बड़ी संख्या में लोग डिजिटल पेमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, देश का कैश-टू-जीडीपी रेश्यो वित्त वर्ष 26 में कम होकर 11 प्रतिशत हुआ है, जो कि वित्त वर्ष 21 में 14.4 प्रतिशत पर था। रिपोर्ट में कहा गया है, करेंसी और जीडीपी में परिवर्तन की दिशा भले ही एक जैसी हो, लेकिन जीडीपी की वृद्धि को अब नकदी के बजाय यूपीआई के माध्यम से अधिक हो रही है। सीआरआर में कटौती के कारण चालू वित्त वर्ष में आरबीआई के पास बैंकर्स डिपॉजिट में 1.86 लाख करोड़ रुपए की कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप रिजर्व मनी की वृद्धि घटकर 5.8 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के बीच बैंकों में जमा और ऋण लगभग तीन गुना बढ़ गए, जो बैंकिंग प्रणाली के सुदृढ़ीकरण और ऋण मध्यस्थता में सुधार का संकेत है। वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान जमा राशि 85.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 241.5 लाख करोड़ रुपए हो गई और ऋण 67.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 191.2 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्वकप के सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ग्रुप ए में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंच गयी है। यहां उसका मुकाबला तीन टीमों दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से होगा। सुपर-8 में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से होगा। ये मैच अन्य दो मुकाबलों की अपेक्ष कठिन रहेगा। यह मुकाबला अहमदाबाद में में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका विश्व कप में प्रचंड फॉर्म में है और ग्रुप डी में शीर्ष पर रही है। इसलिए इस मैच में दोनो के बीच कड़ा मुकाबला होना तय है।

आंकड़ों की बात करें तो भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो के बीच अब तक 35 टी20 मुकाबले अब तक हुए हैं। इसमें भारतीय टीम ने 21 जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका को 13 में जीत मिली है, एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। अहम मुकाबलों में भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका पर भारी पड़ी है।

वहीं सुपर-8 में भारतीय टीम का दूसरा मुकाबला 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से एमए चिदंबरम स्टेडियम में शाम 7 बजे से होगा। इस टूर्नामेंट में अब तक जिम्बाब्वे ने काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया तक को हराया है। ऐसे में उससे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा क्योंकि वह उलटफेर करने में सक्षम है। दोनो के बीच अब तक 13 टी20 मैच खेले गए हैं। 10 मैचों में भारत और 3 मैचों में जिम्बाब्वे ने जीत हासिल की है।

सुपर-8 में भारतीय टीम को अपने तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज से खेलना है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अबतक बीच 30 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने 19 जबकि वेस्टइंडीज ने 10 जीते हैं। एक मैच का परिणान नहीं निकला। दो बार विजेता रही वेस्टइंडीज ने भी इस बार विश्व कप में अब अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह ग्रुप डी में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंची है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज फार्म में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। ऐसे में भारतीय टीम को इस मैच में भी जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टी20 विश्वकप: अभिषेक शर्मा फिर 0 पर आउट हुए, बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा का संघर्ष जारी है। नीदरलैंड के खिलाफ अहम मुकाबले में भी वह बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इस निराशाजनक प्रदर्शन के साथ उनके नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अभिषेक अब एक कैलेंडर वर्ष में टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं। 2026 में यह पांचवां मौका है जब वह शून्य पर आउट हुए, जिससे उनकी फॉर्म पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

नीदरलैंड के खिलाफ फिर निराशा

नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भारतीय टीम को तेज शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन अभिषेक शर्मा पहली ही चुनौती में असफल रहे। विपक्षी गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से उन्हें बांधे रखा और वह बिना रन बनाए आउट हो गए। टी20 जैसे फॉर्मेट में ओपनर की भूमिका बेहद अहम होती है। पावरप्ले का फायदा उठाकर तेज रन बनाना टीम की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। ऐसे में बार-बार डक पर आउट होना टीम के संतुलन को प्रभावित करता है।

एक कैलेंडर वर्ष में 5 डक, शर्मनाक सूची में नाम

अभिषेक शर्मा अब 2026 में टी20ढ्ढ में पांच बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। इसके साथ ही वह उन ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार डक का सामना किया है। इस सूची में शीर्ष पर पाकिस्तान के सैम अयूब हैं, जो 2025 में छह बार डक पर आउट हुए थे। इसके अलावा चालोमवोंग चटफैसन (थाईलैंड, 2024), कुशल भुर्टेल (नेपाल, 2024), धर्मा केसुमा (इंडोनेशिया, 2025) और परवेज हुसैन इमोन (बांग्लादेश, 2025) भी पांच-पांच बार डक पर आउट हो चुके हैं। अब अभिषेक का नाम भी इसी रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है।

कतर ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे अल्काराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दोहा (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 7-6 (5) से हराकर कतर ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अब यहां उनका मुकाबला फ्रांस के वैलेन्टिन रॉयर से होगा।अल्काराज ने इस मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया। स्पेनिश खिलाड़ी ने दूसरे सेट में सर्विस पर दो सेट अंक बचाने के बाद टाई-ब्रेक में जीत दर्ज करके अपना 150 वां मुकाबला जीता है। इससे उत्साहित अल्काराज ने कहा, यह मैच कठिन रहा है। आर्थर एक अच्छा खिलाड़ी है। कोई भी उसके खिलाफ पहले दौर में नहीं खेलना चाहेगा। मुझे खुशी है कि मैं उस कठिन मैच को जीतने में सफल रहा। मेरी जीत का कारण शांत और सकारात्मक रहकर खेलना रहा।

अल्काराज हालांकि यहां पिछली बार क्वार्टर-फाइनल में हार गये थे। अल्काराज का मुकाबला क्वार्टर-फाइनल में करेन खाचानोव से मुकाबला हो सकता है। खाचानोव ने एक अन्य मुकाबले में शिंटारो मोचिजुकी को 6-1, 3-6, 6-4 से हराया। खाचानोव दूसरे दौर में मार्टन फुकसोविक्स से खेलेंगे। एक अन्य मुकाबले में एंड्री रुबलेव ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने शुरुआती मैच में जेस्पर डी जोंग को 6-4, 6-3 से हराया। अब उनका सामना फैबियन मारोजसन से होगा, जिन्होंने उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-1 से हराया।

टी20 विश्वकप: पाकिस्तान की नामीबिया पर बड़ी जीत, सुपर 8 के लिए किया क्वालीफाई

अहमदाबाद (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (नाबाद 100) के पहले शतक के बाद स्पिनर शादाब खान (19 रन देकर तीन विकेट) और उस्मान तारिक (16 रन देकर चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने बुधवार को यहां टी20 विश्व कप के 'करो या मरो' के ग्रुप मैच में नामीबिया को 102 रन से हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया।

फरहान की 11 चौके और चार छक्के जड़ित 58 गेंद की पारी की बदौलत पाकिस्तान ने तीन विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फरहान को 50 से 100 रन तक पहुंचने में महज 20 गेंद लगी। वह विश्व कप में शतक जड़ने वाले पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले 2014 में मीरपुर में अहमद शहजाद ने बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था। पाकिस्तान ने 'मिस्ट्री' स्पिनर तारिक और लेग स्पिनर शादाब के स्पिन जाल से दबदबा बनाते हुए नामीबिया की टीम को 17.3 ओवर में महज 97 रन पर समेट दिया। सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज ने भी एक एक विकेट झटका। इस तरह नामीबिया का अभियान चारों मैच में हार के साथ समाप्त हुआ।

इस जीत से पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के अगले चरण के लिए अपना क्वालीफिकेशन भी सुनिश्चित किया जो 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सह मेजबानी में खेला जाएगा। यह टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी है। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम साइम अयूब (14 रन) का विकेट गंवाकर पावरप्ले में महज 47 रन ही बना सकी। पर फरहान ने कप्तान सलमान आगा (38 रन) के साथ मिलकर 67 रन जोड़े जबकि शादाब खान (नाबाद 36 रन) के साथ 81 रन की भागीदारी निभाई।

रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से मिली करारी शिकस्त से उबरते हुए पाकिस्तान ने ख्वाजा नफे को मध्यक्रम में शामिल कर अपनी बल्लेबाजी को मजबूती दी जबकि खराब फॉर्म में चल रहे शाहीन शाह अफरीदी को बाहर किया। पाकिस्तान ने शुरू में रक्षात्मक बल्लेबाजी की जो उनके स्कोर से जाहिर हो रहा है। लेकिन कप्तान सलमान ने नौवें ओवर की शुरुआत में विलेम माइबर्ग की गेंद पर छक्का लगाकर रन गति बढ़ाने की कोशिश की। इसके बाद उन्होंने लांग-ऑन पर एक और छक्का लगाया। फिर अपने कप्तान से प्रेरित होकर फरहान ने लेग-स्पिनर माइबर्ग की गेंद पर डीप मिडविकेट के ऊपर से एक बड़ा छक्का मारा और फिर उनकी गुगली को फिर उसी जगह भेजा।

एक ओवर में तीन छक्कों से पाकिस्तान का रन रेट बढ़ गया। सलमान ने बर्नार्ड शोल्ट्ज की गेंद पर एक और छक्का लगाया। हालांकि सलमान अगले ओवर में जैक ब्रसेल की गेंद पर गेरहार्ड इरास्मस के हाथों कैच आउट हो गए। नफे ज्यादा देर तक नहीं टिक सके और इरास्मस की गेंद पर उन्हें ही लपके गए। फरहान ने जिम्मेदारी से खेलते हुए नामीबिया के गेंदबाजों के खिलाफ दबदबा बनाते हुए रन जुटाना जारी रखा और अपना शतक पूरा किया। शादाब ने अंत में इरास्मस पर दो छक्के लगाकर पारी का समापन किया।

पाकिस्तान टीम पर भड़के बासित, सूर्यकुमार के राइवलरी नहीं होने वाले बयान को सही बताया

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए टीम को खरी खोटी सुनाई है। बासित अली ने कहा है कि जिस प्रकार से भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि उनके बीच राइवलरी जैसी कोई बात ही नही। वह एक तरह से सही है क्योंकि पाक टीम भारत के सामने कहीं नहीं टिकती है। सूर्या ने एशिया कप के दौरान कहा था कि राइवलरी की बात तब आती है तब बराबरी पर मुकाबला हो पर हम तो हमेशा ही एकतरफा जीत रहे हैं। इसलिए ऐसी कोई बात नहीं है। वहीं अब विश्व कप का मुकाबला भी भारतीय टीम ने आसानी से जीता है। इसमें भी पाक टीम कहीं भी टक्कर देती नहीं दिखी। बासित के अनुसार भारतीय कप्तान ने जो भी कहा है वह सही है। टी20 विश्व कप में भारतीय ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 61 रनों से शिकस्त देकर सुपर-8 में अफनी जगह पक्की कर ली थी। बासित ने कहा कि जिस प्रकार भारत ने पार्ट-टाइम गेंदबाज तिलक वर्मा और रिंकू सिंह को गेंदबाजी दी उससे समझा जा सकता है कि वह पाक टीम की बल्लेबाजी को कितना लचर मानते हैं।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का सामना ऑस्ट्रेलियाई क्लबों से होगा

पर्थ । भारतीय महिला नेशनल फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की अपनी तैयारियों के तहत 19 और 23 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई क्लब टीमों पर्थ रेडस्टार एफसी और पर्थ अजुरी के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलेगी। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की रिलीज के मुताबिक, ब्लू टाइग्रेसेस 11 फरवरी को तुर्किये में अपना ट्रेनिंग कैंप खत्म करने के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं, जहां उन्होंने यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया की क्लब टीमों के खिलाफ छह फ्रेंडली मैच खेले। भारत ने तुर्किये में अपने एक्सपोजर टूर के दौरान तीन जीत, एक ड्रॉ और दो हार दर्ज कीं। पर्थ रेडस्टार एफसी के खिलाफ पहला मैच डालमटिनैक पार्क में भारतीय समयानुसार 14:30 पर खेला जाएगा जबकि पर्थ अजुरी के खिलाफ दूसरा मैच मैसेडोनिया पार्क में 16:00 पर खेला जाएगा। दोनों मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहता है रॉयल्स

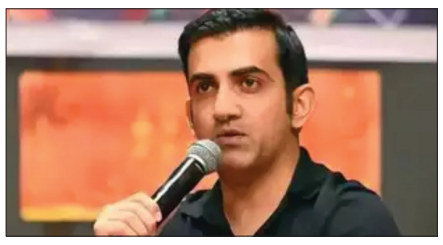

मुम्बई । आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स 2026 सत्र में गौतम गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहत है। एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर को रायल्स सीईओ, पार्टनर और मेंटॉर बनाना चाहती है पर गंभीर इससे स्कीकार करेंगे। इसकी संभावनाएं काफी कम हैं। गंभीर अभी भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं और वे इसके लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ऐसे में वह कोच पद छोड़ेंगे। इसकी उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स का नया प्रबंधन गंभीर को अपने साथ जोड़ना चाहता है। इसका कारण है कि टीम का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा है और प्रबंधन को उम्मीद है कि गंभीर उसमें बदलाव ला सकते हैं। उनके कोच रहते ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स के ज्यादातर शेयर धारक अपनी हिस्सेदारी नए मालिकान को बेच रहे हैं। डील हस्तांतरण के स्तर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रेंचाइजी के 3 नए मालिकों में से एक ने गंभीर से संपर्क किया है। उन्हें फ्रेंचाइजी में हिस्सेदारी के साथ-साथ सीईओ और मेंटॉर बनाए जाने की पेशकश की गयी है। गंभीर को इस पेशकश को स्वीकार करने के लिए भारतीय टीम का कोच पद छोड़ना पड़ेगा। मुख्य कोच के तौर पर गंभीर का कार्यकाल 2027 के एकदिवसीय विश्वकप तक है। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया का टेस्ट में प्रदर्शन औसत से भी नीचे रहा है। हालांकि वाइट बॉल क्रिकेट में टीम के प्रदर्शन में गिरावट नहीं आई है। टेस्ट में खराब प्रदर्शन के चलते अक्सर रेड बॉल क्रिकेट के लिए नए कोच की मांग उठती रही है गौतम गंभीर ने जुलाई 2024 में टीम इंडिया के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली। उनके कार्यकाल में टीम अब तक 19 टेस्ट मैच में 7 में जीत हासिल की है और 10 में हार का सामना करना पड़ा। इसी दौरान न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने भारत में आकर टीम इंडिया का टेस्ट में क्लीन स्वीप किया।

टी20 विश्वकप 2026: टी20 विश्व कप में आज जिम्बाब्वे और श्रीलंका में होगा मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंकाई टीम का मुकाबला गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के मैच में जिम्बाब्वे से होगा। दोनो ही टीमें पहले ही सुपर-8 में पहुंच गयी हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। दोनो का लक्ष्य इस मैच को जीतकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल करना रहेगा। श्रीलंका ने यहां ओमान और आयरलैंड को हराया और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपनी ताकत दिखायी है। वहीं जिम्बाब्वे ने बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराया है। वहीं आयरलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। जिससे उसे एक अंक मिला। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गया। श्रीलंकाई टीम सुपर 8 में पहुंचने के बाद भी जिम्बाब्वे के खिलाफ कोई गलती नहीं करना चाहेगी। वह अपनी जीत की लय को बनाए रखने और ग्रुप में नंबर पर रहने उतरेगी।

श्रीलंका को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका के फॉर्म में होने से भी श्रीलंका को लाभ होगा। निशांका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने भी पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था और वह ये सिलसिला बनाये रखना चाहेंगे।

श्रीलंका की गेंदबाजी की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वह अपनी अलग गेंदबाजी शैली से काफी प्रभावी रहते हैं। स्पिनर के तौर पर टीम के पास दुशान हेमंथा जैसा लेग स्पिनर है। उनके अलावा महीश तीक्षाना जैसा गेंदबाज है।

वहीं जिम्बाब्वे की राह आसान नहीं है। श्रीलंका के घरेलू मैदान पर उसके लिए मेजबान गेंदबाजों का समाना करना कठिन रहेगा हालांकि ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद से ही उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। उसके सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ क्रमशः 64 और 48 रन बनाये थे। इसके अलावा तादिवानाशे मारुमानी, रयान बर्ल और सिकंदर रजा भी फार्म में हैं। गेंदबाजी में उसके पास अनुभवी तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के अलावा रिचर्ड नगारवा हैं।

टीम इस प्रकार हैं

श्रीलंकाः दासुन शनाका (कप्तान), चरिथ असलांका, दुशमंथा चमीरा, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंदु मेंडिस, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, पथुम निसांका, मथीशा पथिराना, कुसल परेरा, प्रमोद मदुशन, पवन रथनायके, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

जिम्बाब्वेः सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा।

टॉप सीड सेरुंडोलो रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंचे

रियो डी जेनेरो । अर्जेंटीना के टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो मंगलवार को अपने ही देश के मारियानो नवोन को 6-3, 6-4 से हराकर रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने पहले सर्व पर 72 परसेंट पॉइंट जीते और जॉकी क्लब ब्रासीलीरो के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 32 मिनट में पांच में से चार ब्रेक पॉइंट बदलकर जीत हासिल की। नवोन ने अपने पहले सर्व पर 67 परसेंट पॉइंट जीते लेकिन 12 ब्रेक पॉइंट मौकों में से सिर्फ दो को ही बदल पाए। इस नतीजे का मतलब है कि सेरुंडोलो एटीपी 500 इवेंट के अगले राउंड में एक और अर्जेंटीना के थियागो टिरांटे से भिड़ेंगे। सेरुंडोलो के भाई, जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने भी इटली के दूसरे सीड लुसियानो डार्डी पर 6-1, 3-6, 6-4 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 78 सेरुंडोलो ने आठ में से छह ब्रेक पॉइंट बचाए और नेट पर 13 में से नौ पॉइंट लेकर दो घंटे 17 मिनट में जीत हासिल की।

एफआईएच प्रो लीग में हार्दिक करेंगे भारतीय हॉकी टीम की कप्तानी

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट में खेले जाने वाल एफआईएच प्रो लीग मैचों में अनुभवी मिडफील्डर हार्दिक सिंह की कप्तानी में उतरेगी। इससे पहले टीम के नियमित कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने निजी कारणों से इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया से होगा। इससे पहले भारतीय टीम को राउरकेला में हुए मुकाबलो में अपने सभी चार मैचों में हार मिली थी। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''राउरकेला में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे पर हमने काफी कुछ सीखा है और खेल में सुधार किए हैं।'' नए कप्तान हार्दिक को दो बार के ओलंपिक खेलों का अनुभव है जिसका टीम को लाभ मिलेगा। टीम में अमनदीप लाकड़ा और मनमीत सिंह जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने राउरकेला चरण के दौरान सीनियर टीम के लिए अपना पहला मैच खेला था। हॉकी इंडिया ने कहा कि हरमनप्रीत अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं स्ट्राइकर मनिंदर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। इस खिलाड़ी ने अंतिम बार साल 2023-24 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारत के लिए खेला था। एक अन्य फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। कोच ने कहा, ''हमारी नजर बेहतर प्रदर्शन करने के साथ ही विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए अपनी टीम को तैयार करने पर है।''

भारतीय टीम इस प्रकार है- गोलकीपर- सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनाहल्ली शशिकुमार डिफेंडर- अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, अमनदीप लाकड़ा, यशदीप सिवाच, पूवन्ना चंदूरा बॉबी। मिडफील्डर- राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल। फॉरवर्ड- अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य अर्जुन लालगे, अंगद बीर सिंह, मनिंदर सिंह।

विक्रम राठौर कोच बनने के बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजी में आया बदलाव,

कोलंबो । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जिस प्रकार श्रीलंकाई टीम की बल्लेबाजी को बेहतर बनाया है। उसके लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। राठौर जब से टीम के बल्लेबाजी कोच बने हैं हालात बदले हैं। श्रीलंकाई बल्लेबाज पथुम निशंका ने जिस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाया है उससे ये बात साबित हुई है। उनके मार्गदर्शन में बल्लेबाज निडर होकर बल्लेबाजी कर रहे हैं और खेल के प्रति उनका रवैया भी बदल रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट ने अपने बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता और आक्रामकता लाने के लिए ही राठौर को अपने साथ जोड़ा है। राठौर को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप के लिए टीम को तैयार करने का काम दिया था। जिस तरह से श्रीलंका ने अभी तक विश्व कप में खेला है वो दिखाता है कि राठौर के आने के बाद टीम काफी बेहतर हुई है। निशंका की बल्लेबाजी में बदलाव का के पीछे भी राठौर की रणनीतियों को बताया गया है। निशंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल 52 गेंदों में ही 100 रन लगा दिया था। इस दौरान उन्होंने जमकर चौके और छक्के लगाये। राठौर ने निशंका को पारंपरिक खेल से हटकर नये शॉट्स खेलने के लिए प्रेरित किया जिससे की अधिक से अधिक रन बनें। इसका असर भी दिख रहा है। निशंका का टी20 विश्व कप 2026 में अब तक का स्ट्राइक रेट 192.3 रहा है, जो उनके पहले के आंकड़ों से काफी अच्छा है।.

ऑस्ट्रेलिया से दूसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

कैनबरा (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को कैनबरा में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने बारिश की बाधा के बीच ही पहले मैच को डकवर्थ लुइस नियम से जीता था।

भारतीय टीम की ओर से पहले मैच में तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने चार विकेट लिए थे और वह ये प्रदर्शन बनाये रखना चाहेंगी। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई और केवल 133 रनों पर ही आउट हो गयी।

भारतीय टीम की ओर से इस मैच में केवल सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को ही बल्लेबाजी का अवसर मिला।

अब दूसरे मैच में भी शेफाली और मंधाना पर रनों की जिम्मेदारी रहेगी। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

इस साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह पर भी इस मैच में नजरें रहेंगी। वहीं कप्तान सोफी मोलिनी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया भी वापसी के इरादे से उतरेगी। बराबर करने के लिए बेताब होगी। टीम को बेथ मूनी, फोएबे लिटफील्ड, एलिसे पेरी और एशले गार्डनर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलियाः सोफी मोलिनी (कप्तान), ताहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, भारती फुलमाली, क्रांति गौड़, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालान कमलिनी, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

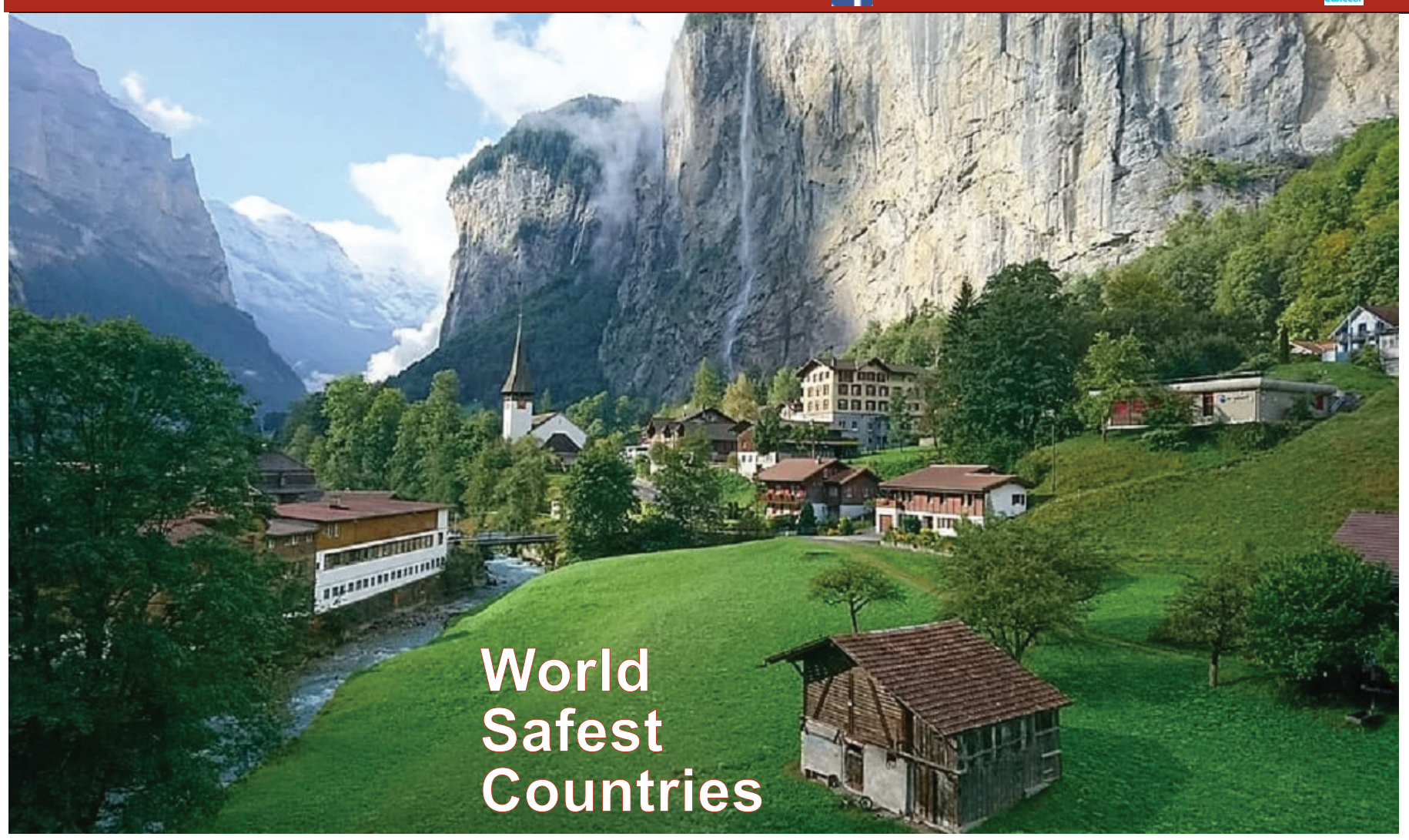

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश हैं। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड

स्विट्जरलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्जरलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो...

इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

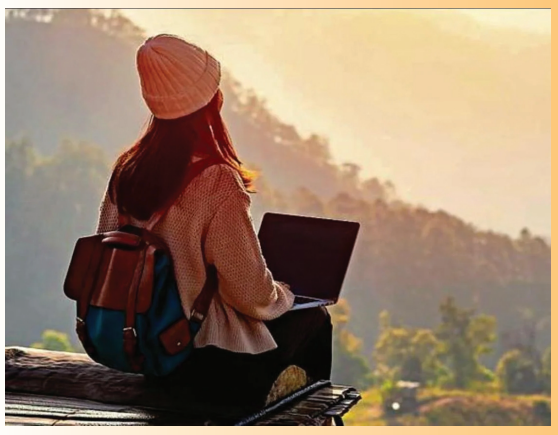

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी छकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरूआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्लिक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देहरादून में जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून में बुधवार को जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। जिला जज के आधिकारिक ईमेल पर भेज धमकी भरे संदेश के बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। एहतियात के तौर पर पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराकर सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और वादकारियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड ने परिसर के चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ली। सुरक्षा के मद्देनज़र कोर्ट परिसर के बाहर बैरिकेडिंग कर आवाजाही सीमित कर दी गई। प्रारंभिक जांच में ईमेल के स्रोत की पड़ताल की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि यह किसी शरारती तत्व या संगठित साजिश का हिस्सा हो सकता है। हालांकि अब तक तलाशी अभियान में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, जिससे राहत की सांस ली गई है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में हरिद्वार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, टिहरी और नैनीताल की जिला अदालतों को भी इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। इन घटनाओं को देखते हुए पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया गया है। पुलिस सभी मामलों की कड़ियों को जोड़कर जांच कर रही है ताकि अफवाह फैलाने या भय का माहौल बनाने वालों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जा सके।

ईद के बाद सोरेन सरकार की घेराबंदी करेगा होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन

रांची (एजेंसी)। झारखंड में 77 मृत होमगार्ड जवानों के आश्रित अब भी अनुकंपा नियुक्ति के इंतजार में हैं। इसमें स्व. आनंदी मंडल, स्व. राम बाबू सिंह, स्व. बाबूजोन मरांडी, स्व. उमेश प्रसाद, स्व. परमानंद यादव और स्व. दपीक प्रताप सहित कुल 77 जवान शामिल हैं। अधिकांश जवानों की मृत्यु 10 से 15 वर्ष पूर्व ड्यूटी के दौरान हो चुकी है, लेकिन उनके परिवारों को अब तक नौकरी नहीं मिल सकी है। वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने होमगार्ड जवानों के लिए नियमावली बनाई थी, जिसमें ड्यूटी के दौरान मृत जवानों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नामांकन का प्रावधान था। इसके बावजूद कई मामलों में नियुक्ति नहीं हो सकी। इस संबंध में जवानों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें राज्य गठन के बाद ड्यूटी के दौरान मृत सभी जवानों के आश्रितों को नियुक्ति देने का आदेश दिया गया। न्यायालय से सकारात्मक फैसला आने के बाद गृह विभाग ने संबंधित जवानों की सूची भी तैयार कर ली, लेकिन वर्षों से यह सूची विभागीय फाइलों में लंबित पड़ी है। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने कहा कि बजट सत्र शुरू हो चुका है और सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बजट सत्र में भी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तब ईद के बाद राज्यभर के होमगार्ड जवान राजभवन का घेराव करेगा।

यूपी बोर्ड की सख्त चेतावनी... पेपर लीक जैसी भ्रामक खबरों को फैलाने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो गई हैं। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले सोशल मीडिया पर पेपर लीक को लेकर उड़ रही अफवाहों पर यूपी बोर्ड ने बेहद सख्त रुख दिखाया है। यूपी बोर्ड ने साफ कर दिया है कि ऐसी खबरें पूरी तरह फर्जी हैं और इन भ्रम खबरों को फैलाने वालों को किसी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। बोर्ड ने आधिकारिक बयान देकर छात्रों और अभिभावकों को सचेत किया है। बोर्ड का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व सुनियोजित तरीके से परीक्षाओं की शुचिता बिगाड़ने और छात्रों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। बोर्ड ने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ साइबर सेल में मामला दर्ज करा दिया है। परीक्षार्थी इन भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी परीक्षा पर फोकस करें। यूपी परिक्षा बोर्ड ने बताया कि इस साल नकल रोकने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हाई-टेक इंतजाम किए गए हैं। सभी 8,033 केंद्रों पर वॉयस रिकॉर्डर वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी वेबकास्टिंग के जरिए लखनऊ से लाइव निगरानी हो रही है। 18 जिलों को संवेदनशील घोषित किया है। 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त फोर्स तैनात है। 440 जिला स्तरीय और 69 मंडलीय मोबाइल स्क्वॉड नकलचियों को पकड़ने के लिए मुस्तैद हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पोस्ट के माध्यम से छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं केवल आपकी शैक्षणिक योग्यता का मूल्यांकन नहीं हैं, बल्कि यह आपके धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास की भी परीक्षा है। उन्होंने छात्रों को बिना तनाव के परीक्षा देने का आशीर्वाद दिया।

राजस्थान में हल्की बारिश, दिल्ली में छाए रहे बादल वायु गुणवत्ता में आंशिक सुधार

-न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर समेत राजस्थान में कई जगह बुधवार सुबह हल्की बारिश हुई। बारिश व बूंदाबांदी का दौर रात से ही शुरू हो गया था। उधर दिल्ली में बुधवार सुबह मौसम ने करवट ली और घने बादल आसमान में छा गए। कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी के साथ बारिश की फुहारें पड़ी। बदलते मौसम और तेज हवा के कारण वायु गुणवत्ता में भी आंशिक सुधार देखा गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक बुधवार को दिनभर सामान्यतः बादल छाए रहे और हल्की बारिश की संभावना बनी रही। बुधवार का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

सात दिनों के पूर्वानुमान के मुताबिक 19 फरवरी को न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा और मौसम मुख्यतः साफ रहने की संभावना है। 20 को भी पारा 12 से 28 डिग्री के बीच रहेगा। 21 को न्यूनतम 13 और अधिकतम 28 डिग्री 22 और 23 को तापमान में हल्की बढ़ोतरी के साथ अधिकतम 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास रहेगा यानी बुधवार को हल्की गिरावट के बाद आने वाले दिनों में तापमान लगातार बढ़ता रहेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के कई इलाकों में अभी भी हवा खराब श्रेणी में है। अलीपुर में एक्यूआई 255, आनंद विहार में 285, अशोक विहार में 264 दर्ज किया गया। आया नगर में 179 और सीआरआरआई मथुरा रोड पर 185 के साथ मध्यम श्रेणी रही। बवाना में एक्यूआई 307 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि चांदनी चौक में 286 और डीटीयू में 249 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 296, लोनी में 352, संजय नगर में 203 और वसुंधरा में 268 दर्ज किया गया।

भारतीय नौसेना के साथ समुद्री अभ्यास में भाग लेने विशाखापटनम पहुंचा रूसी युद्धपोत

विशाखापटनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम के बंदरगाह पर अचानक एक विशाल रूसी युद्धपोत मार्शल शापोष निकोब का आगमन हुआ है। यह कोई साधारण घटना नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू यानी आईएफआर 2026 और मिलन 2026 अभ्यास का हिस्सा है, जो भारत रूस की दशकों पुरानी समुद्री साझेदारी को दिखाता है। लेकिन आगमन को हम अचानक क्यों कह रहे हैं, क्योंकि वैश्विक तनाव के बीच जब दुनिया की महाशक्तियां एक दूसरे से भिड़कर दूर हो रही हैं तब भारत रूस की यह दोस्ती ना केवल मजबूत हो रही है बल्कि दुनिया पर भारी साबित हो रही है। एक आधुनिक उदालाय क्लास डिस्ट्रॉयर इस अब ब्रिगेड के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 1985 में कमीशन किया गया। यह रूसी जहाज रूसी पेसिफिक प्लीट का हिस्सा है और इसका नाम सोवियत युग के सैन्य कमांडर बोरिस शापोश निकोब के नाम पर रखा गया है। इस जहाज की लंबाई 163 मीटर वजन 7900 टन तक है और यह 35 नॉट की रफ्तार से चल सकता है। इसमें कलिब्र एनके क्रूज मिसाइल, ओनिक्स, एंटीशिप मिसाइलें

और संभावित रूप से जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइलें लगी हैं। यह एंटी सबमरीन वॉरफेयर में माहिर है। जिसमें हेलीकॉप्टर, हैंगर और सोनार सिस्टम्स शामिल हैं। अब यह आगमन अचानक इसलिए लग रहा है, क्योंकि वैश्विक राजनीति में रूस यूक्रेन युद्ध के चलते रुस अलग-थलग दिख रहा है। हालांकि भारत रुस को कभी भी अलग-थलग नहीं होने दे रहा है। इसी कड़ी में भारत ने रुस को गले लगाया और भारतीय नौसेना के अनुसार जहाज आईएफआर 2026 और मिलन 2026 में भाग लेने आया है। जहां भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 72 देशों के 60 से अधिक युद्धपधों की समीक्षा करेंगी। मिलन 21 से 25 फरवरी तक चलेगा जिसमें समुद्री अभ्यास, सेमिनार और सहयोग पर फोकस होगा। रूस का यह जहाज इस अभ्यास में प्रमुख भूमिका निभाएगा जो भारत रूस की समुद्री साझेदारी को मजबूत करेगा। यह घटना सिर्फ एक जहाज का आगमन नहीं है। यह एक संदेश है जब अमेरिका और उसके सहयोगी रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। भारत ने रूस से सस्ता तेल आयात बढ़ाया है और अब समुद्री सहयोग को नई ऊंचाई दे दी है। यह दोस्ती दुनिया पर भारी है क्योंकि यह इंडोपेसिफिक में संतुलन बनाती है। जहां चीन की बढ़ती ताकत को काउंटर करने के लिए रूस भारत का साथी है।

भारत रूस की दोस्ती की जड़े शीत युद्ध के दौर से मजबूत हैं। 1950 के दशक में सोवियत संघ ने भारत को सैन्य सहायता दी जब पश्चिमी देश पाकिस्तान को हथियार दे रहे थे। फिर 1960 से भारत ने रूसी जहाज और सबमरीन का इस्तेमाल शुरू कर दिया। आज भारतीय नौसेना के आधे से अधिक प्रमुख जहाज रूसी मूल के हैं। अब 1971 के भारतपाकि युद्ध में रूस की भूमिका यादगार है। जब अमेरिका ने अपना एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस एंटर प्राइज बंगाल की खाड़ी में भेजा।

फिर आई कूनो से अच्छी खबर... गामिनी ने दिया तीन शावकों को जन्म

-भारत में चीतों की संख्या 38 हुई, 7 फरवरी को भी हुआ था 5 शावकों का जन्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी ने बुधवार को तीन शावकों को जन्म दिया। खास बात यह है कि यह खुशखबरी चीतों के भारत आने के तीन साल पूरे होने के दिन सामने आई है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने एक्स पर इसकी जानकारी दी। यादव ने इस उपलब्धि को भारत के ऐतिहासिक संरक्षण अभियान की बड़ी सफलता बताया है। बता दें भारत आने के बाद मादा चीता गामिनी दूसरी बार मां बनी है। इन नए शावकों के जन्म के साथ भारत में शावकों की संख्या 27 हो गई है जो अभी जिंदा हैं। इसके साथ ही अब देश में चीतों की कुल आबादी 38 हो गई। बता दें बीते 10 दिन में यह दूसरा प्रसव है, जिनमें 8 शावकों ने जन्म लिया है। इससे पहले 7 फरवरी को भी कूनो नेशनल पार्क में चीता परिवार में 5 शावकों का जन्म हुआ था। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि शावकों का जन्म प्रोजेक्ट चीता को मजबूती प्रदान कर रहा है। फील्ड स्टाफ और पशु चिकित्सकों की सतत निगरानी और समर्पण से यह सपना साकार हो रहा है। शवकों के जन्म को लेकर मध्य प्रदेश के सीएम डा मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर कर लिखा- चीतों के पुनर्स्थापन का सशक्त केंद्र मध्यप्रदेशज अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रोजेक्ट चीता के अंतर्गत दक्षिण अफ्रीका से आई मादा चीता 'गामिनी' ने तीन शावकों को जन्म दिया है। श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में आए चीतों के तीन साल पूरे होने के साथ ही कूनो में यह 9वां सफल प्रसव है। भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर अब 38 हो गई है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों की बढ़ती आबादी उनकी सतत निगरानी, वैज्ञानिक प्रबंधन और अथक परिश्रम के कारण यह संभव हो सकी है। कूनो में हो रहा यह सकारात्मक विकास भारत की जैव-विविधता संरक्षण यात्रा में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

बंगाल में ममता बनर्जी तुगलक और औरंगजेब की तरह शासन चला रही हैं

-बीजेपी सांसद ने लगाया बंगाल को बांग्लादेश बनाने की साजिश का लगाया आरोप

पटना (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हुमायूं कबीर द्वारा बनाई जा रही बाबरी मस्जिद पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिहार में एनडीए के नेताओं ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि ममता बनर्जी भी कबीर का साथ दे रही हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बाबरी मस्जिद से जुड़े मुद्दों पर भी बंगाल सरकार की भूमिका पर सवाल उठते हैं और ममता को डबल गेम नहीं खेलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बांग्लादेशी मुसलमानों के सहारे सत्ता में बनी रहना चाहती हैं, लेकिन अब बंगाल के हिंदू जाग चुके हैं। जो लोग ममता बनर्जी को 'शेरनी' कहते हैं, वे उन्हें गलत बताते हैं और आरोप लगाते हैं कि वे राज्य को बांग्लादेश बनाने की दिशा में ले जा रही हैं। उन्होने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी तुगलक और औरंगजेब की तरह शासन चला रही हैं और हिंदुओं को दबाने का काम कर रही हैं। वहीं बीजेपी नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने भी पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन का दावा किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में जीत दर्ज की है और अब बंगाल में भी पार्टी का झंडा लहराएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। इधर बिहार की राजनीति में भी बयानबाजी तेज है। बिहार सरकार में मंत्री राम कृपाल यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले वे अपने कार्यकाल का हिसाब दें। उन्होंने दावा किया कि नीतीश सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है और राज्य के विकास के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। शराबबंदी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यदि कहीं कमी पाई जाती है तो सरकार कार्रवाई करेगी। वहीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की एनडीए सरकार से उनके कामकाज का हिसाब मांगा है, जिससे बिहार की राजनीति गर्मा गई है। वहीं मंत्री दिलीप जायसवाल ने दिल्ली में आयोजित एआई समिट को अहम बताते हुए कहा कि बिहार की सक्रिय भागीदारी रही है।

2027 में असपा अकेले लड़ेगी चुनाव, गठबंधन की खबरें फेक न्यूज और साजिश का हिस्सा

-बसपा सुप्रीमो मायावती ने राजनीतिक गलियारों में चल रही अटकलों पर लगाया विराम

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक गलियारों में चल रही गठबंधन की अटकलों पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर पूर्ण विराम लगा दिया है। मायावती ने साफ किया कि गठबंधन को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया के कुछ हिस्सों में चल रही खबरें पूरी तरह से फेक न्यूज और एक गहरी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगाह किया कि बसपा को कमजोर करने और समर्थकों का ध्यान भटकाने के लिए विपक्षी दल और कुछ मीडिया घराने घिनौनी साजिशें रच रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बसपा प्रमुख ने साफ कहा कि उनकी पार्टी 2027 का मिशन अकेले अपने दम पर लड़ेगी और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। इसके साथ ही दिल्ली में नया बंगला लेने पर भी मायावती ने सफाई दी। मायावती ने गठबंधन की संभावनाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि बसपा को यह अच्छी तरह पता है कि सपा, कांग्रेस और

बीजेपी की विचारधारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की सोच के बिल्कुल विपरीत है।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इन दलों से गठबंधन करने से बसपा को कभी फायदा नहीं हुआ, बल्कि हमेशा बड़ा राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा है। मायावती ने आरोप लगाया कि जब-जब बसपा ने गठबंधन किया, विपक्षी दलों ने बसपा का वोट तो ले लिया, लेकिन अपना वोट बसपा को ट्रांसफर कराने में नाकाम रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हाथी की मस्त चाल चलते हुए 2027 के मिशन में डटे रहे।

सोशल मीडिया पर दिल्ली में केंद्र सरकार द्वारा नया बंगला आवंटित किए जाने को लेकर आ रही खबरों पर भी मायावती ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि इसे लेकर गलत और गुमराह करने वाली बातें प्रसारित की जा रही हैं। उन्होंने साफ किया कि केंद्र सरकार ने उनकी सुरक्षा को देखते हुए ही काफी समय बाद टाइप-8 का बंगला अलाट किया है। इसे लेकर बसपा को नुकसान पहुंचाने वाली बातें फैलाई जा रही हैं। केंद्र की वर्तमान सरकार ने मेरी सुरक्षा के हिसाब से कई बंगले अलाट किए थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से नहीं लिया था। लिया भी था तो छोड़ दिया था। अब टाइप-8 का बंगला अलाट किया है तो उसे मैंने स्वीकार कर लिया है। इसे लेकर गलत बातें प्रसारित की जा रही हैं। मायावती ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, विरोधी पार्टियां साम-दाम-दंड-भेद के हथकंडे अपनाए जाएंगे और बसपा को सत्ता से दूर रखने के षड्यंत्र और भी बढ़ते जाएंगे। ऐसे में सभी आंबेडकरवादियों को सतर्क रहना चाहिए।

अरुणाचल और नागालैंड के जंगलों में आग बुझाने सेना-वायुसेना का युद्धस्तर पर काम जारी

-हेलीकॉप्टर लगातार गिरा रहे पानी, यह आग 13 फरवरी से फैली है जंगल में

गुवाहाटी (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के जंगल में आग बुझाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। भारतीय सेना और वायुसेना ऑपरेशन में जुटी है। हेलीकॉप्टर लगातार पानी गिरा रहे हैं, जबकि सतह पर टीमें खास उपकरणों से आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। अब तक अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में आग पर काबू पाया जा चुका है। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हेलीकॉप्टर दो मोर्चों पर जंगल की आग बुझाने के मिशन में लगे हैं और मुश्किल इलाकों में लगातार हवाई फायरफाइटिंग कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वायुसेना ने जानकारी दी है कि अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में कुल 139,800 लीटर पानी गिराया गया है, जिससे आग बुझ गई है। साथ ही नागालैंड में जुकोऊ घाटी में ऑपरेशन जारी है, जिसमें हेलीकॉप्टर से पानी लाकर जफ्फू पीक के पास खड़ी ढलानों, खराब विजिबिलिटी और दुर्लभ हवा के बीच आग बुझा रहे हैं। भारतीय सेना के जवानों ने वायुसेना के साथ मिलकर अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में करीब 3,000 से 3,500 फीट की ऊंचाई पर मौजूद दूर-दराज के इलाकों में लगी जंगल की आग पर काबू पाने की

कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को आर्मी ने वीडियो शेयर किए थे, जिनमें पहाड़ियों पर लगी आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर पानी गिराते हुए दिख रहे थे, जबकि जमीनी टीमों की मदद के लिए आग बुझाने के दूसरे उपकरण भी लगाए गए थे। बताया जाता है कि यह आग 13 फरवरी को जंगल में फैली थी।

इससे पहले शनिवार को वायुसेना ने पोस्ट किया था कि हेलीकॉप्टर अरुणाचल प्रदेश की लोहित घाटी में 9,500 फीट से ऊपर लगातार आग बुझाने का मिशन चला रहे हैं। लोहित घाटी के ऊपर पहाड़ियों के किनारे हॉटस्पॉट पर 12,000 लीटर से ज्यादा पानी पहुंचाया गया। खराब मौसम और पतली हवा के बावजूद, हेलिकॉप्टर पानी गिराकर आग पर काबू पाने और नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करने का काम जारी रखे हुए हैं।

गुवाहाटी में एक रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक सूखा मौसम और झूम खेती, जो पहाड़ी जनजातियों का पारंपरिक कटाई-जलाओ का तरीका है, नॉर्थईस्ट में जंगल में आग लगने की मुख्य वजहों में से हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि पिछले पांच दिनों में हवाई जांच और पानी गिराने में मदद करने वाले हेलीकॉप्टरों के साथ मिलकर चौबीसों घंटे काम किया जा रहा है। ये ऑपरेशन बहुत मुश्किल इलाके और मौसम की हालत में किए जा रहे हैं ताकि आग पूरी तरह बुझ जाए।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने प्रियंका गांधी पर लगाया आरोप कहा- लिंचिंग की साजिश रची थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एक नए राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। बिट्टू ने घोषणा की है कि वह प्रियंका गांधी के खिलाफ एक औपचारिक शिकायत दर्ज करवाएंगे, जिसमें करीब पांच साल पहले किसान आंदोलन के दौरान हुई एक घटना की जांच की मांग की जाएगी। बिट्टू का आरोप है कि उस समय उन्हें जानबूझकर उग्र प्रदर्शनकारियों के बीच भेजा गया था, जहां उन पर जानलेवा हमला हुआ था।

एक साक्षात्कार के दौरान गंभीर आरोप लगाते हुए रवनीत बिट्टू ने कहा कि उस समय उन्हें प्रियंका गांधी की मंशा पर संदेह नहीं था, लेकिन अब उन्हें लगता है कि इसके पीछे कोई बड़ी साजिश थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रियंका गांधी को अच्छी तरह पता था कि प्रदर्शनकारी किसान बिट्टू के खिलाफ आक्रोशित हैं, तो उन्हें वहां क्यों भेजा गया? बिट्टू ने आशंका जताई कि यह उन्हें नुकसान पहुंचाने का एक

पूर्व-नियोजित प्लान और डिजाइन था ताकि उस घटना को एक बड़ा राजनीतिक मोड़ दिया जा सके और भाजपा विरोधी भावनाओं को और भड़काया जा सके। उन्होंने उस दिन की घटना को याद करते हुए कहा कि वह और विधायक कुलबीर जीरा भीड़ द्वारा लगभग लिंच कर दिए गए होते।

इसके साथ ही बिट्टू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा उन्हें गद्दार कहे जाने पर भी तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा का प्रयोग करके राहुल गांधी ने अपने पद की गरिमा को गिराया है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि दूसरी पार्टी में जाना गद्दारी है, तो कांग्रेस में शामिल उन तमाम नेताओं के बारे में राहुल गांधी की क्या राय है जो अन्य दलों से आए हैं?

दूसरी ओर, पंजाब कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बिट्टू केवल अपने नए राजनीतिक आकाओं को खुश करने और सुर्खियां बटोरने के लिए इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। पंजाब के नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने तंज कसते हुए कहा कि सालों बाद बिट्टू की याददाश्त अचानक तब वापस आई है, जब उन्हें अपनी वफादारी साबित करने की जरूरत महसूस हो रही है। वहीं, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि यह कहना हास्यास्पद है कि उन्हें जबरदस्ती विरोध स्थल पर भेजा गया था। कांग्रेस के अनुसार, बिट्टू केवल अपनी नई पार्टी में अपनी जगह पक्की करने के लिए प्रियंका गांधी के खिलाफ इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। इस जुबानी जंग ने पंजाब और राष्ट्रीय राजनीति में गरमाहट पैदा कर दी है।

अजित पवार विमान हादसा: डीएफडीआर डेटा डाउनलोड, सीवीआर रिकवरी के लिए कंपनी से मांगी मदद

-एएआईबी की तकनीकी जांच जारी; सीबीआई जांच की मांग तेज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की जांच अब निर्णायक चरण में पहुंचती दिख रही है। जांच की जिम्मेदारी एयरक्रॉफ्ट एक्सिडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) को सौंपी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, क्रैश के दौरान विमान का ब्लैक बॉक्स तेज गर्मी और आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हुआ था, हालांकि उसके एक हिस्से का डेटा सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि विमान में लगे दो स्वतंत्र फ्लाइट रिकॉर्डर, डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) में से डीएफडीआर का डेटा एएआईबी की फ्लाइट रिकॉर्डर लैब में डाउनलोड कर लिया गया है। यह रिकॉर्डर अमेरिकी कंपनी एल3 क्यूनिकेशंस द्वारा निर्मित है। वहीं, सीवीआर, जिसे हनीवेल ने बनाया है, उसकी विस्तृत तकनीकी जांच जारी है। सीवीआर का डेटा रिकवर करने के लिए संबंधित कंपनी से तकनीकी सहयोग मांगा गया है।

राजनीतिक बयानवाजी हुई तेज

ब्लैक बॉक्स के जलने के दावों पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। एनसीपी (शरद गुट) के विधायक और पवार के भतीजे रोहित पवार ने कहा कि ब्लैक बॉक्स भीषण आग और धमाकों से सुरक्षित रह सकता है, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति से नहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्लैक बॉक्स 1100 डिग्री सेल्सियस तापमान को एक घंटे तक और 260 डिग्री तापमान को लगभग 10 घंटे तक सहन कर सकता है। ऐसे में उसके पूरी तरह जलने की संभावना कम बताई जा रही है।

28 जनवरी को हुआ था हादसा

पुणे जिले के बारामती में 28 जनवरी की सुबह वीएसआर वेंचर्स कंपनी का लेयरजेट 45 विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे में अजित पवार समेत कुल पांच लोगों की मौत हुई थी। विमान सुबह 8:10 बजे मुंबई से रवाना हुआ था और करीब 8:45 बजे बारामती के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के दूसरे दिन ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया था।

सीबीआई जांच की मांग

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने अन्य एनसीपी नेताओं के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर हादसे की सीबीआई जांच की मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल में सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केंद्र सरकार से चर्चा का आश्वासन दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, जांच विमान दुर्घटना जांच नियम, 2017 और

आईसीएओ एनेक्स-13 के अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत की जा रही है। एएआईबी ने अपील की है कि जांच पूरी होने तक अटकलों से बचा जाए। ब्यूरो ने भरोसा दिलाया है कि निष्कर्ष पूरी तरह तकनीकी साक्ष्यों पर आधारित होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सूडान के कोरडोफान इलाके में बाजार पर हुए हमले में कम से कम 28 लोगों की मौत

कोरडोफान , एजेंसी। मानवाधिकार समूह ने सोमवार को बताया कि सूडान के कोरडोफान क्षेत्र में एक बाजार पर हुए हमलों में कम से कम 28 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। सूडान में सेना और एक अर्धसैनिक समूह के बीच युद्ध अपने तीन साल पूरे करने के करीब पहुंच रहा है। नागरिकों के खिलाफ हिंसा पर नजर रखने वाले मानवाधिकार समूह इमरजेंसी लॉयर्स ने एक बयान में कहा कि रविवार को उत्तरी कोरडोफान प्रांत के सुदरी इलाके में एक बाजार पर ड्रोन से बमबारी की गई। उस समय बाजार में काफी भीड़ थी, जिससे मानवीय त्रासदी और भी बढ़ गई। समूह ने कहा कि हताहतों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

न्यूजीलैंड में तूफान से उड़ानें बाधित, स्कूल बंद

वेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप के कई हिस्सों में सोमवार को भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण हवाई जहाज, रेल और नौका सेवाएं बाधित हुई हैं। कई जगहों पर सड़कें बंद करनी पड़ीं। साथ ही हजारों निवासियों की बिजली गुल हो गई। हवाई अड्डे के मुताबिक, राजधानी वेलिंगटन से आने-जाने वाली अधिकांश उड़ानें रद्द या विलंबित रहीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एयर न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन, नेपियर और पामर्स्टन नॉर्थ हवाई अड्डों पर अपनी सेवाएं रोक दीं हैं। अधिकारियों ने बताया कि 30,000 से अधिक घरों में बिजली नहीं थी, जिनमें वेलिंगटन के लगभग 10,000 ग्राहक शामिल हैं। वेलिंगटन क्षेत्र के वाहन चालकों से सड़कों पर न निकलने का आग्रह किया गया है, जबकि व्यापक क्षति के बाद आपात दल राहत कार्य में जुटे रहे और अधिकांश स्कूल बंद हैं। एयर न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन, नेपियर और पामर्स्टन नॉर्थ हवाई अड्डों पर अपनी सेवाएं रोकीं।

ग्वाटेमाला में एक माह बाद समाप्त आपातकालीन शक्तियां

ग्वाटेमाला , एजेंसी। ग्वाटेमाला ने सोमवार को आपातकालीन स्थिति समाप्त कर दी, जो एक माह पहले राष्ट्रपति बर्नार्डो अरेवालो द्वारा लागू की गई थी। इस कदम के पीछे 10 पुलिसकर्मियों की हत्या थी, जिसे कथित गैंग सदस्यों द्वारा अंजाम दिया गया था। आपातकालीन स्थिति के दौरान कुछ संवैधानिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी। अधिकारियों को बिना न्यायाधीश के वारंट के गिरफ्तारी करने की अनुमति मिली थी। यह सुविधा अब मंगलवार से लागू होने वाले नए नियमों में नहीं रहेगी, हालांकि राष्ट्रपति अरिवालो ने नए उपायों का विस्तार से विवरण नहीं दिया। उन्होंने रविवार को बताया कि आपातकालीन अवधि में 83 गैंग सदस्यों को गिरफ्तार किया गया और हत्या और वसूली की घटनाओं में पिछले साल की तुलना में गिरावट आई। हालांकि उन्होंने सटीक आंकड़े साझा नहीं किए।

'सहयोगियों पर चीन से दूरी का दबाव नहीं डालेगा अमेरिका', विदेश मंत्री रुबियो बोले- राष्ट्रीय हित सर्वोपरि

बुडापेस्ट, एजेंसी। अमेरिका ने साफ कर दिया है कि वह अपने सहयोगी देशों से चीन से दूरी बनाने की कोई वैचारिक शर्त नहीं रखेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की प्राथमिकता यह है कि दुनिया का हर देश अपने राष्ट्रीय हित में निर्णय ले। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान रुबियो ने कहा 'हम किसी भी देश से यह नहीं कह रहे कि वे खुद को किसी से अलग-थलग करें, चाहे वह चीन ही क्यों न हो।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज है। हालांकि, रुबियो ने स्पष्ट किया कि प्रतिस्पर्धा का मतलब संबंध खत्म करना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह पागलपन होगा कि अमेरिका और चीन आपस में बातचीत या संबंध न रखें। रुबियो ने संकेत दिया कि ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति वैचारिक दबाव के बजाय व्यावहारिक दृष्टिकोण पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हर देश को अपनी भौगोलिक, आर्थिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फैसले लेने होते हैं। इस दौरे के दौरान अमेरिका और हंगरी के बीच नागरिक परमाणु कार्यक्रम में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। हंगरी, जो नाटो और यूरोपीय संघ का सदस्य है, हाल के वर्षों में चीन के निवेश को बढ़ावा देता रहा है। रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और हंगरी केप्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन के बीच बहुत करीबी व्यक्तिगत और कार्य संबंध हैं, जिसने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत किया है। ऑर्बन ने मौजूदा दौर को अमेरिका-हंगरी संबंधों का स्वर्ण युग बताया। हालांकि अमेरिका चीन से रिश्ते बनाए रखने की बात कर रहा है, लेकिन रुबियो ने आर्थिक निर्भरता को लेकर स्पष्ट चेतावनी भी दी।

ट्रंप ने नाइजीरिया में भेज दिए 100 अमेरिकी सैनिक, यहां रोज होता है खून-खराबा; अब तेज होगी जंग

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने नाइजीरिया में अपनी सैन्य मौजूदगी को और मजबूत किया है। हाल ही में लगभग 100 अमेरिकी सैनिक और संबंधित उपकरण नाइजीरिया पहुंचे हैं। यह पहली खेप है, जिसमें कुल 200 सैनिकों की तैनाती का प्लान है। नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल समाइला उबा ने पुष्टि करते हुए कहा है कि ये सैनिक ट्रेनिंग, तकनीकी सहायता और खुफिया जानकारी शेयर करने के लिए आए हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि अमेरिकी सैनिक सीधे युद्ध में हिस्सा नहीं लेंगे और पूरी कमान नाइजीरियाई सेना के पास ही रहेगी। बताया जा रहा है कि यह तैनाती नाइजीरिया सरकार की औपचारिक मांग पर हुई है, जो देश में बढ़ते आतंकवादी हमलों से जूझ रही है। नाइजीरिया में बोको हराम, इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रॉविंस (आई एस डब्ल्यू एपी), लकुरावा जैसे इस्लामिक आतंकी समूह और अन्य सशस्त्र गिरोहों (बैंडिट्स) का आतंक लगातार बढ़ रहा है। उत्तर-पूर्वी इलाकों जैसे बोर्नो, योबे और अडामा में रोजाना हमले, अपहरण और हत्याएं हो रही हैं। हाल के महीनों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं, हजारों विस्थापित हुए हैं। अमेरिकी सैनिकों की यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब देश में हिंसक हमले चरम पर हैं। पिछले सप्ताह के अंत में मोटरसाइकिलों पर आए बंदूकधारियों ने तीन गांवों में तांडव मचाया, जिसमें कम से कम 46 लोग मारे गए। सबसे भीषण हमला नाइजर राज्य के कोंकोसो गांव में हुआ, जहां 38

लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। नाइजीरिया वर्तमान में बोको हरम, आई एस डब्ल्यू एपी, और 'लाकुरावा' जैसे कई आतंकी गुटों से जूझ रहा है। इसके अलावा, 'डाकू' समूह भी सक्रिय हैं जो फिरौती के लिए अपहरण और अवैध खनन में शामिल हैं।

ट्रंप का नाइजरिया पर दबाव : ट्रंप ने 2025 के अंत में नाइजीरिया पर खासा दबाव बनाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि नाइजीरिया में ईसाइयों का नरसंहार हो रहा है और सरकार उन्हें पर्याप्त सुरक्षा नहीं दे रही। दिसंबर 2025 में क्रिसमस के दिन अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में इस्लामिक स्टेट से जुड़े ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे। ट्रंप ने इसे आईएसआईएस के आतंकवादियों पर सीधा प्रहार बताया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा, लेकिन बातचीत से स्थिति सुधरी। नाइजीरिया ने अमेरिका से ट्रेनिंग और इंटेलिजेंस सपोर्ट मांगा, जिसके जवाब में यह तैनाती हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की नीति में धार्मिक उत्पीड़न (खासकर ईसाइयों की सुरक्षा) को प्राथमिकता मिल रही है, जो उनकी विदेश नीति का अहम हिस्सा बन चुकी है। नाइजीरिया की 24 करोड़ की आबादी ईसाई और मुस्लिम समुदायों के बीच लगभग समान रूप से बंटी हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि हिंसा का शिकार केवल ईसाई नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लोग हो रहे हैं। वास्तव में, अधिकांश हमले मुस्लिम बहुल उत्तरी क्षेत्र में होते हैं, जिससे हताहत होने वालों में मुस्लिम नागरिकों की संख्या अधिक है। क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग हाल के महीनों में यह संकट और गहरा गया है क्योंकि पड़ोसी साहेल क्षेत्र के आतंकी समूह भी नाइजीरिया में घुसपैठ कर रहे हैं। 'जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन' जैसे समूहों ने पिछले साल पहली बार नाइजीरियाई धरती पर हमले की जिम्मेदारी ली थी। दिसंबर में अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिम में ISIL से जुड़े लड़ाकों पर हवाई हमले किए थे। अब 100 सैन्य कर्मियों की यह नई तैनाती दर्शाती है कि वाशिंगटन और अबुजा के बीच सैन्य सहयोग फिर से मजबूत हो रहा है। यह तैनाती जंग को तेज करने का संकेत दे सकती है, लेकिन सीमित रूप से। अमेरिकी सैनिक सीधे फायरिंग में नहीं उतरेंगे, बल्कि नाइजीरियाई सेना को बेहतर ट्रेनिंग, ड्रोन इंटेलिजेंस, टारगेट पहचान और आधुनिक हथियारों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग देंगे। इससे नाइजीरियाई फोर्सेस की क्षमता बढ़ेगी और आतंकवादियों पर दबाव बढ़ सकता है। नाइजीरिया की सरकार ने खुद अमेरिका से मदद मांगी थी। देश में कई आतंकवादी और हथियारबंद गिरोह सक्रिय हैं। इनमें बोको हराम, आईएस से जुड़े संगठन और अपहरण करने वाले गिरोह शामिल हैं। इन हमलों में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। नाइजीरिया के डिफेंस हेडक्वार्टर के स्पोक्सपर्सन मेजर जनरल समैला उबा के अनुसार, अमेरिकी सैनिक सीधे युद्ध में हिस्सा नहीं लेंगे, केवल ट्रेनिंग, सलाह और जानकारी देंगे। इस दौरान पूरे ऑपरेशन की कमान नाइजीरिया के पास ही रहेगी।

बांग्लादेश छोड़कर क्यों भाग रहे मोहम्मद यूनुस के करीबी? आखिर किस बात का है डर

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने वाले हैं। बांग्लादेश के आम चुनाव में उनकी पार्टी बीएनपी को बड़ा बहुमत मिला है। इस बीच खबरें हैं कि अब तक अंतरिम सरकार चला रहे मोहम्मद यूनुस के कई करीबी देश छोड़कर निकल रहे हैं या ऐसा करने की फिराक में हैं। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। शेख हसीना की सरकार को भ्रष्टाचार के नाम पर चले आंदोलन के चलते अपदस्थ होना पड़ा था। फिर ईमानदार सरकार के नाम पर मोहम्मद यूनुस कमान संभाल रहे थे। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि उनकी ईमानदार सरकार के सलाहकार देश छोड़कर क्यों निकल रहे हैं। ढाका से निकलने वाले देश के बड़े अखबार द डेली स्टार ने एक खबर में मोहम्मद यूनुस के करीबी सलाहकार फैज अहमद तैयब का नाम लेते हुए लिखा था कि उन्होंने जर्मनी के लिए फ्लाइट बुकिंग कराई है। अखबार की हेडिंग की भी काफी चर्चा हुई, जिसने इसे सरप्राइज डिपार्चर लिखा। तैयब अब तक मोहम्मद यूनुस के सलाहकार थे और वह उन्हें इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल और टेलिकॉम्युनिकेशंस के मामले में मदद कर रहे थे। हालांकि इसे लेकर बांग्लादेश के जानकार आश्चर्य नहीं जता रहे हैं। उनका कहना है कि हम तो महीनों पहले से कह रहे थे कि मोहम्मद यूनुस

के करीबी देश से बाहर निकलने का रास्ता खोज रहे हैं। यही नहीं सोमवार की शाम को एनसीपी के सीनियर नेता नसीरुद्दीन पटवारी ने भी मोहम्मद यूनुस के सलाहकारों के देश से निकलने का रास्ता खोजने की बात कही और कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। पटवारी ने कहा, 'हमने सुना है कि बहुत से सलाहकार सेफ एग्जिट की तलाश में हैं। हम देश के लोगों और खुद सलाहकारों से अपील करते हैं कि सेफ एग्जिट से पहले कम से कम एक बार अपनी संपत्तियों की पूरी जानकारी दें। आप जनता को बताएं कि अपने कार्यकाल में आपने देश के लिए क्या किया है। इसके अलावा डॉ. युनूस को यह देश याद रखेगा कि उन्होंने इलेक्शन में किस तरह से मदद की।' अब बात करते हैं कि आखिर कथित ईमानदार सरकार के सलाहकारों को डर किस बात का है? इसकी जड़ें अक्तूबर 2025 में मिलती हैं। एनसीपी के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा था कि कई सलाहकारों ने अलग-अलग राजनीतिक दलों के साथ खुद को जोड़ लिया है और उनसे निकलने का रास्ता मांग रहे हैं।

रोड आईलैंड के हॉकी एरीना में गोलीबारी, संदिग्ध समेत तीन की मौत; तीन घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रोड आइलैंड राज्य में एक हॉकी एरीना में हुई गोलीबारी ने इलाके में दहशत का माहौल बन गया। इस गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सीएनएन के मुताबिक, मरने वालों में एक युवती भी शामिल है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि हमलावर ने घटना के बाद खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी भी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच के आधार पर कहा है कि हमलावर संभवतः अपने ही परिवार के सदस्यों को निशाना बना रहा था। यह घटना पॉटकेट स्थित डेनिस एम. लिंच एरीना में हुई, जहां उस समय दो स्कूल छात्र टीमों के बीच हॉकी मैच चल रहा था। पॉटकट पुलिस प्रमुख ने बताया कि तीन अन्य पीड़ित गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने कहा कि राज्य प्रशासन हालात पर नजर बनाए रखे हुए है। उन्होंने पॉटकेट के मेयर ग्रेबियन और राज्य पुलिस अधिकारियों से

बातचीत की है। गवर्नर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि राज्य पुलिस स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है और वे इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। इस घटना से कुछ महीने पहले, रोड आइलैंड के पास ब्राउन यूनिवर्सिटी में भी गोलीबारी हुई थी। दिसंबर में प्रोविडेंस स्थित बारस और होले इंजीनियरिंग भवन में एक व्यक्ति ने गोली चलाई थी, जिसमें दो छात्रों की मौत हो गई थी और नौ अन्य घायल हुए थे। इसके अलावा, इसी महीने की शुरुआत में मैरीलैंड के रॉकविल स्थित थॉमस एस. वूटन हाई स्कूल में भी गोलीबारी की घटना सामने आई थी। इस मामले में 16 वर्षीय छात्र को हिरासत में लिया गया था।

विदाई भाषण में मोहम्मद यूनुस ने आलापा 'सेवन सिस्टर्स' का राग, 18 महीने की उपलब्धियां भी गिनाईं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को अपने विदाई संबोधन में दावा किया कि उनके 18 महीने के शासनकाल ने देश की विदेश नीति को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि अब बांग्लादेश किसी के निर्देशों पर चलने वाला आज्ञाकारी देश नहीं रहा, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने वाला आत्मविश्वासी राष्ट्र बन चुका है। टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में यूनुस ने कहा आज का बांग्लादेश संप्रभुता, राष्ट्रीय हित और गरिमा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार ने इन तीन मूल स्तंभों को फिर से मजबूत किया। यूनुस ने अपने संबोधन में कहा 'मैं सभी नागरिकों से, चाहे वे किसी भी दल, धर्म, पंथ, जाति या लिंग से जुड़े हों, एक न्यायपूर्ण,

मानवीय और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के निर्माण के लिए संघर्ष जारी रखने की अपील करता हूं। इसी आशा के साथ मैं विदा ले रहा हूं।' उन्होंने कहा कि देश की भौगोलिक स्थिति पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में बड़े आर्थिक अवसर पैदा करने की क्षमता रखती है। सेवन सिस्टर्स का राग आलापा यूनुस ने बांग्लादेश के खुले समुद्री क्षेत्र को रणनीतिक संपत्ति बताते हुए कहा कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का प्रवेश द्वार है। उन्होंने नेपाल, भूटान और पूर्वोत्तर भारत (जिससे सेवन सिस्टर्स भी कहा जाता है) के साथ व्यापक क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाओं पर भी बल दिया। यूनुस ने कहा हमारा खुला समुद्री क्षेत्र केवल भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का प्रवेश द्वार है। उनके मुताबिक, देश के विकास के अगले चरण में बेहतर कनेक्टिविटी केंद्रीय भूमिका निभाएगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में करीब 130 नए कानून बनाए गए, कई कानूनों में संशोधन हुआ और 600 कार्यकारी आदेश जारी किए गए, जिनमें से अधिकांश लागू हो चुके हैं। इससे पहले दिन में उन्होंने वरिष्ठ नौकरशाहों से मुलाकात की और अपने कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ एक औपचारिक फोटो सत्र में हिस्सा लिया। भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव यूनुस के कार्यकाल में भारत के साथ रिश्तों में ठंडापन देखने को मिला। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय पर हमलों को लेकर चिंता जताई थी। विश्लेषकों का मानना है कि राजनीतिक मतभेदों का असर व्यापार और आर्थिक सहयोग पर भी पड़ा। कुछ विदेशी विशेषज्ञों ने कहा कि यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश को विदेश नीति में सीमित लाभ मिला, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंधों में अचानक सकारात्मकता दिखी, जिस पर देश के भीतर सहमति नहीं बन पाई। राजनीतिक और सुरक्षा विश्लेषकों का मानना है कि यूनुस सरकार ने पहले से ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल को और जटिल बना दिया।

एपस्टीन से रिश्तों पर ट्रंप बोले- मेरा उससे कोई लेना-देना नहीं, मुझे आरोपों से बरी कर दिया गया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के दस्तावेजों के सामने आने के बाद से ही दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है। कई दिग्गज हस्तियों से लेकर वैश्विक नेताओं के एपस्टीन के साथ संबंध सामने आए हैं। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम भी जुड़ा है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस मामले में खुद को क्लीन चिट दे दी है। एयर फोर्स वन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा, 'मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। मुझे बरी कर दिया गया है। मेरा जेफरी एपस्टीन से कोई लेना-देना नहीं है। मुझे एपस्टीन मामले में पूरी तरह से बरी कर दिया गया है।' एपस्टीन

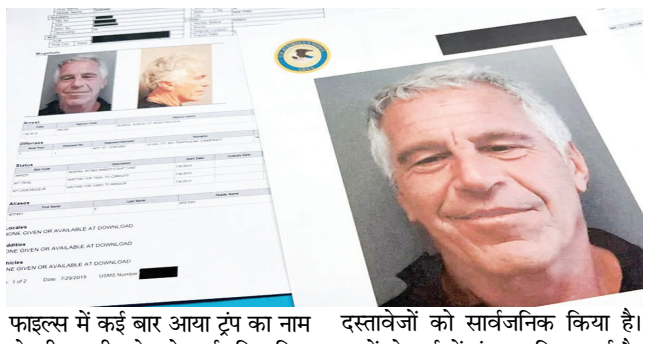

फाइल्स में कई बार आया ट्रंप का नाम जेफरी एपस्टीन से जुड़े सार्वजनिक किए गए सरकारी दस्तावेजों में डोनाल्ड ट्रंप का नाम कई बार आया है। इसकी वजह से अमेरिका की राजनीति और मीडिया में नई बहस छिड़ गई है। अमेरिकी न्याय विभाग ने जेफरी एपस्टीन से जुड़े हजारों दस्तावेजों को सार्वजनिक किया है। इनमें से कई में ट्रंप का जिक्र दर्ज है। हालांकि किसी भी फाइल में ट्रंप को किसी अपराध या यौन अपराध में आरोपी नहीं बताया गया है। 8 बार की एपस्टीन के विमान में ट्रंप ने यात्रा न्याय विभाग की ओर से दिसंबर 2025 में जारी किए गए दस्तावेजों में से कुछ में डोनाल्ड ट्रंप का नाम कई बार देखा गया। इनमें ट्रंप और एपस्टीन के बीच के पुराने संपर्क और कई कथित टिप्पणियां शामिल थीं। इसमें ट्रंप के एपस्टीन के निजी विमान पर कम से कम आठ बार यात्रा करने का विवरण भी आया। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया है कि फाइल्स में दर्ज दावे 'गलत और सनसनीखेज' हैं। ट्रंप को किसी भी गैरकानूनी कृत्य में आरोपी नहीं माना गया है। कई दिग्गजों के साथ एपस्टीन की तस्वीरें हुईं सार्वजनिक कुछ दस्तावेजों में ट्रंप, उनके रिश्तेदारों और अन्य बड़े लोगों की तस्वीरें भी थीं, लेकिन वे फाइलों से गायब भी हो गईं, जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठे हैं।

अमेरिका में हाई स्कूल हॉकी मैच के दौरान गोलीबारी :2 की मौत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के रोड आइलैंड में सोमवार दोपहर हाई स्कूल हॉकी मैच के दौरान गोलीबारी हो गई। पुलिस के मुताबिक इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। तीन अन्य लोग गंभीर हालत में हैं। घटना दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। पुलिस प्रमुख टीना गोंकाल्वेस ने इसे 'टारगेटेड इवेंट' बताया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा हो सकता है, हालांकि मकसद अब तक साफ नहीं है। पुलिस प्रमुख टीना गोंकाल्वेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दोनों टीमें सीनियर नाइट मना रही थीं, तभी गोलीबारी शुरू हुई। मैदान में दो टीमें आमने-सामने थीं। इन टीमों में आसपास के कई स्कूलों के खिलाड़ी शामिल थे। मौके पर अफरातफरी मच गई। मेयर डोनाल्ड आर. ग्रेबिएन ने इसे बेहद डरावना अनुभव बताया। उन्होंने कहा, 'ये हाई स्कूल के बच्चे थे, परिवार उनके साथ मैच देख रहे थे। एक खुशी का माहौल अचानक डर और दहशत में बदल गया।'

गोलीबारी होते ही मैच छोड़ भागी टीमें : मैच की लाइव स्ट्रीम में दिखा कि जैसे ही एक टीम डिफेंस से निकालने की कोशिश कर रही थी, तभी अचानक गोलियों की आवाज गूंजी। खिलाड़ी बेंच के पीछेछिपने लगे। रेफरी ने तुरंत सीटी बजाकर मैच रोका और बर्फ से बाहर चले गए। कुछ ही सेकंड में दोनों टीमें रिंग छोड़कर बोर्ड के ऊपर से कूदते हुए दूसरी तरफ के एग्जिट की ओर भागीं। पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा। सोमवार शाम तक एरिना के आसपास सड़कों पर पुलिस की गश्त जारी थी।

स्कूलों ने कहा- सभी छात्र सुरक्षित : कोवेंट्री पब्लिक स्कूल डिस्ट्रिक्ट के सुपरिंटेंडेंट डॉन कोवार्ट ने बयान जारी कर कहा कि उनकी हॉकी टीम के सभी छात्र सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि कोवेंट्री पुलिस का एक अधिकारी छात्रों के साथ मौके पर मौजूद है। नॉर्थ स्मिथफील्ड हाई स्कूल के प्रिंसिपल डैन गेराग्टी ने भी बयान में कहा कि उनके सभी छात्र, खिलाड़ी और दर्शक सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, 'यह खबर दिल तोड़ने वाली है। हमारा समुदाय इससे हिल गया है।' पुलिस प्रमुख ने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां स्कूलों के साथ मिलकर छात्रों को काउंसलिंग सेवा उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने कहा कि इस घटना का असर बच्चों पर देर से भी सामने आ सकता है।

ईरान-अमेरिका बातचीत पर राष्ट्रपति ट्रंप ने दी चेतावनी, बोले- डील नहीं हुई तो होंगे गंभीर नतीजे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में होने वाली बातचीत को वे समर्थन देते हैं और खुद भी अप्रत्यक्ष रूप से इसमें जुड़े रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार दोनों देश किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं।

ट्रंप ने ईरान को चेतावनी भी दी : राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान बहुत सख्त बातचीत करने वाला देश है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह इस बार ज्यादा समझदारी दिखाएगा। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। ट्रंप का दावा है कि अगर अमेरिका ने हाल में सैन्य कार्रवाई न की होती, तो ईरान एक महीने में परमाणु हथियार बना सकता था।

क्या है बातचीत का मुद्दा : यह बातचीत मुख्य रूप से इन मुद्दों पर हो रही है। इसमें ईरान का परमाणु कार्यक्रम, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका के प्रतिबंध शामिल हैं। पहले भी कई बार बातचीत हुई, लेकिन या तो समझौते टूट गए या सिर्फ अस्थायी समाधान निकल पाया।

ट्रंप ने घरेलू मुद्दों पर भी बातें की : इस दौरान अर्थव्यवस्था पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में महंगाई बहुत कम है। उन्होंन पेट्रोल की कीमत कई जगह 2 डॉलर प्रति गैलन से कम बताई। वहीं अपराध के मुद्दे पर उनका दावा है कि अमेरिका में हत्या के मामले 1900 के बाद सबसे कम हैं। जबकि सीमा सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि हजारों अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजा गया है।

राजनीति और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दे : राष्ट्रपति ट्रंप ने सरकारी फंडिंग विवाद के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार बताया। वहीं वोटर आईडी पर भी उन्होंने विपक्ष पर धोखाधड़ी चाहने का आरोप

लगाया। ट्रंप ने इस दौरान क्यूबा से बातचीत जारी होने की बात कही। वहीं चीन के राष्ट्रपति से बातचीत के बाद ताइवान पर जल्द फैसला लेने की बात कही।

अमेरिका-ईरान विवाद की शुरुआत कैसे हुई : पहले ईरान में अमेरिका-समर्थित राजा (शाह) था। 1979 में इस्लामिक क्रांति हुई और नई सरकार बनी जो अमेरिका के खिलाफ थी। सबसे बड़ा टकराव तब हुआ जब ईरानी छात्रों ने अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर लिया। इस दौरान 52 अमेरिकी लोगों को 444 दिन तक बंधक रखा। यहीं से दोनों देशों के रिश्ते बहुत खराब हो गए।

परमाणु विवाद क्यों शुरू हुआ : 2000 के बाद अमेरिका को शक हुआ कि ईरान गुप्त रूप से परमाणु हथियार बना रहा है। हालांकि, ईरान कहता है कि उसका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ बिजली और शांति के कामों के लिए है। वहीं अमेरिका कहता है कि उसे डर है कि ईरान परमाणु बम बना सकता है। इस कड़ी में 2015 में अमेरिका - यूरोप और ईरान के बीच बड़ी डील हुई। इस डील के मुताबिक, ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करेगा और अमेरिका आर्थिक प्रतिबंध हटाएगा।

ट्रंप ने डील क्यों तोड़ी : जब ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने, तब उन्होंने कहा यह खराब समझौता है। 2018 में अमेरिका डील से बाहर निकल गया। इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए, दोनों देशों के रिश्ते फिर बहुत खराब हो गए। 2020 में अमेरिका ने ईरान के टॉप जनरल कासिम सुलेमानी को ड्रोन हमले में मार दिया। इसके बाद दोनों देशों में युद्ध जैसे हालात बन गए थे। अभी हालात ऐसे हैं, ईरान परमाणु कार्यक्रम तेजी से बढ़ा रहा है। अमेरिका डरता है कि ईरान परमाणु हथियार बना सकता है, कई बार बातचीत शुरू हुई लेकिन पूरी डील नहीं हो पाई। इसी वजह से अब जेनेवा में फिर से बातचीत हो रही है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1,900 करोड़ के संदिग्ध ट्रांजेक्शन्स मिले,30 से अधिक बैंक लॉकर फ्रीज

गजेरा बंधुओं के खिलाफ FIR दर्ज करने का हाईकोर्ट का सूरत CP को आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि गजेरा बंधुओं ने 'शांति रेसिडेंसिस प्रा. लि.' में उनके 43% शेयर हड़पने की साजिश रची और उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

Gujarat High Court ने एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए सूरत पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया है कि 15,000 करोड़ रुपये के चर्चित Punjab National Bank (PNB) घोटाले के आरोपी **Mehul Choksi** से कथित वित्तीय संबंध रखने वाले गजेरा बंधु — वसंत गजेरा, अशोक गजेरा और राकेश गजेरा — के खिलाफ शिकायतकर्ता प्रवीण देवकीनंदन अग्रवाल द्वारा बताई गई सभी गंभीर धाराओं के तहत तत्काल FIR दर्ज की जाए।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि गजेरा बंधुओं ने 'शांति रेसिडेंसिस प्रा. लि.' में उनके 43% शेयर हड़पने की साजिश रची और उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

1,900 करोड़ के संदिग्ध लेन-देन

लगभग 6 दिनों तक आयकर विभाग की ष्ठष्ठद्ब विंग ने गजेरा बंधुओं की कंस्ट्रक्शन साइट्स, डायमंड यूनिट्स, फैक्ट्रियों और शैक्षणिक संस्थानों पर जांच की। अधिकारियों के अनुसार 1,900 करोड़ रुपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन्स सामने आए हैं।

इसके अलावा 30 से अधिक बैंक लॉकर फ्रीज किए गए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि वे लगभग 40 कंपनियों में डायरेक्टर के पद पर हैं।

फर्जी हस्ताक्षर और डायरेक्टर पद से हटाने का आरोप

शिकायतकर्ता के अनुसार, अशोक गजेरा, राकेश गजेरा और वसंत गजेरा ने उनके, उनकी पत्नी और उनके पिता के फर्जी हस्ताक्षर किए। इन जाली दस्तावेजों के जरिए कंपनी में उनका हिस्सा 43% से घटाकर 4.02% कर दिया गया।

इतना ही नहीं, फर्जी डिजिटल हस्ताक्षरों के आधार पर उन्हें डायरेक्टर पद से भी हटा दिया गया। इन दस्तावेजों को रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज मे...

अ स ल ी बताकर पेश किया गया, जिससे धोखाधड़ी की गई।

मेहुल चोकसी से कथित संबंध

मामले की सबसे गंभीर बात यह बताई गई है कि

गजेरा बंधु भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी के सीधे संपर्क में थे। शिकायतकर्ता के वकील डॉ. शैलेष आर. पटेल के अनुसार, Enforcement Directorate (ED) की जांच में मुंबई की विशेष PMLA कोर्ट में दाखिल चार्जशीट (Case No. ECIR/MBZO-I/04/2018) में गजेरा बंधुओं को सह-आरोपी बताया गया है।

आरोप ह ... कि मेहुल चोकसी की कंपनियों से दुबई और वहां से राकेश गजेरा को हांगकांग के जरिए फंड ट्रांसफर किए गए, जिनका उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ।

SEBI की पूर्व कार्रवाई

गजेरा बंधुओं के खिलाफ पहले भी Securities and E&change Board of India (SEBI) कार्रवाई कर चुका है। गीतांजलि जेम्स लिमिटेड मामले में वित्तीय अनियमितताओं के चलते राकेश गजेरा समेत अन्य पर 2.50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। साथ ही उन्हें एक वर्ष के लिए शेयर बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित भी किया गया था।

हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार गजेरा बंधुओं के खिलाफ IPC की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज हो सकता है, जिनमें शामिल हैं:

* धारा 409: आपराधिक विश्वासघात
* धारा 467, 468, 469, 471, 474: जालसाजी और फर्जी दस्तावेजों का उपयोग
* धारा 386, 389: जबरन वसूली
* धारा 506(2): जान से मारने की धमकी
* धारा 120(B), 34, 114: आपराधिक साजिश और समान

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

12-02-2026 को हुई सुनवाई में गुजरात हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता की दलीलों और आरोपियों के आपराधिक इतिहास को ध्यान में रखते हुए सूरत पुलिस कमिश्नर को स्पष्ट आदेश दिया कि शिकायत में बताई गई धाराओं के तहत तुरंत मामला दर्ज किया जाए।

कोर्ट ने जस्टिस ... पारडीवाला के 2017 (0) AIJEL-HC 237811 फैसले का हवाला देते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणी की।

शिकायतकर्ता के वकील के अनुसार गजेरा बंधु 'आदतन अपराधी' और 'लैंड ग्रैबर' के रूप में पहचाने जाते हैं। सूरत शहर में उनके खिलाफ जमीन हड़पने के लगभग 8 मामले दर्ज बताए गए हैं। आरोप है कि वे संगठित गिरोह बनाकर लोगों की जमीन हड़पते रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि जब उन्होंने इस कथित घोटाले का खुलासा करने की कोशिश की, तो उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। उन्हें झूठे केस में फंसाकर आजीवन कारावास दिलाने की साजिश रचने का भी आरोप लगाया गया है।

सूरत मनपा में इस्तीफा नामंजूर होने की चर्चा

डिप्टी कमिश्नर स्वाति देसाई के इस्तीफे पर सस्पेंस बरकरार

7 दिन बाद भी प्रशासन चुप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका के प्रशासनिक हलकों में पिछले एक सप्ताह से चर्चा और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। मनपा की डिप्टी कमिश्नर स्वाति देसाई ने अचानक इस्तीफा दे दिया, जिससे उच्च अधिकारियों से लेकर पदाधिकारियों तक सभी चौंक गए। हालांकि एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस्तीफा स्वीकार किया जाएगा या नहीं, जिससे सस्पेंस बना हुआ है।

11 फरवरी को स्वाति देसाई ने अपना इस्तीफा सौंपा था। शुरुआत में इस्तीफे के पीछे 'पारिवारिक कारण' बताए गए थे। रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने अपने 11 वर्षीय जुड़वां बच्चों की पढ़ाई और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया। बताया जा रहा है कि वह पिछले छह महीनों से इस विषय पर विचार कर रही थीं और अंतत: परिवार को प्राथमिकता देने का फैसला किया। स्वाति देसाई के इस्तीफे के बाद मनपा के गलियारों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। लंबे समय से सेवा दे रहीं और कुशल प्रशासक मानी जाने वाली अधिकारी का अचानक इस्तीफा कई सवाल खड़े कर रहा है।

हालांकि आधिकारिक तौर पर पारिवारिक कारण बताए गए हैं, लेकिन आंतरिक सूत्रों का कहना है कि संभव है इस निर्णय के पीछे अन्य प्रशासनिक दबाव या कारण भी हों। सबसे चर्चित बात यह है कि स्वाति देसाई की सेवा के अभी लगभग 15 वर्ष शेष हैं। इतनी लंबी संभावित सेवा अवधि और उज्ज्वल भविष्य के बावजूद बीच कार्यकाल में इस्तीफा देने का निर्णय प्रशासन को भी उलझन में डाल रहा है। आमतौर पर अधिकारी सेवानिवृत्ति के करीब ऐसे फैसले लेते हैं, लेकिन यहां स्थिति अलग है। इस्तीफा दिए एक सप्ताह बीत चुका है, फिर भी प्रशासन ने अब तक उस पर औपचारिक स्वीकृति नहीं दी है। जानकारी के अनुसार, इसे अभी शासकों के समक्ष आधिकारिक रूप से प्रस्तुत भी नहीं किया गया है। मनपा सूत्रों के अनुसार, स्वाति देसाई का इस्तीफा नामंजूर भी किया जा सकता है। संभावना है कि प्रशासन उन्हें अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए समझाने का प्रयास कर रहा हो। फिलहाल, पूरे मामले पर आधिकारिक स्पष्टता का इंतजार किया जा रहा है।

सिर पर पत्थर और ईंट से हमला, बुजुर्ग-युवक के बीच खूनी

सिटी बस से उतरने की बात पर सूरत में विवाद लोग छुड़ाने की बजाय वीडियो बनाते रहे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में हुई एक चौंकाने वाली घटना ने पूरे क्षेत्र में चर्चा पैदा कर दी है। केवल सिटी बस से उतरने जैसी मामूली बात को लेकर दो लोगों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों एक-दूसरे के सिर पर पत्थर और ईंट से हमला करते हुए वीडियो में दिखाई दिए।

हैरानी की बात यह रही कि मौके पर मौजूद लगभग ३०से ४० लोगों की भीड़ उन्हें छुड़ाने के बजाय अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाने में व्यस्त रही। इस मामले में राकेश आहिर ने Dindoli Police Station में जगदन गोंडल गुप्ता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

'चल भाई साइड में हट, मुझे जल्दी है'

घटना के अनुसार, डिंडोली की प्रियंका सोसायटी में रहने वाले 43 वर्षीय राकेश शांताराम आहिर पेंट/कलर का काम करते हैं। 17 फरवरी की रात करीब 8 बजे वह पांडेसरा से सिटी बस में बैठकर घर लौट रहे थे। जब बस डिंडोली मानसी रेसिडेंसी के पास पहुंची, तब पीछे खड़े जगदन नामक व्यक्ति ने कहा, 'चल भाई साइड में हट, मुझे जल्दी है,' और इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। राकेश ने कहा, 'दो मिनट रुक जाओ, बस रुकने दो, मैं उतर जाऊंगा।'

पत्थरबाजी और सड़क पर मारपीट

बस रुकते ही मामला बिगड़ गया। नीचे उतरने के बाद आरोपी जगदन गोंडल गुप्ता ने राकेश को गाली देना शुरू कर दिया। राकेश ने गाली देने से मना किया तो जगदन भड़क गया और देखते ही देखते दोनों के बीच पत्थरबाजी और हाथापाई शुरू हो गई।

दोनों एक-दूसरे का कॉलर पकड़कर सड़क पर गिर पड़े। जगदन ने राकेश के चेहरे पर नाखून मारकर चोट पहुंचाई और पास पड़े पत्थर व ईंट जैसे भारी वस्तुओं से हमला किया।

दोनों लहूलुहान, भीड़ तमाशबीन

पूरी घटना के दौरान मानवता को शर्मसार करने वाले दृश्य सामने आए। मौके पर मौजूद ३० से ४० लोग इस खूनी संघर्ष को देखते रहे। दोनों व्यक्ति खून से लथपथ होकर एक-दूसरे पर जानलेवा हमला कर रहे थे।

लेकिन किसी ने भी उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की। लोग अपने मोबाइल निकालकर इस क्रूर घटना का वीडियो बना

रहे थे। मानो कोई फिल्मी दृश्य चल रहा हो और लोग सोशल मीडिया के लिए 'कंटेंट' इकट्ठा कर रहे हों।

सिर पर ईंट से हमला

जगदन गुप्ता ने गुस्से में आकर राकेश के सिर पर ईंट मार दी। राकेश ने भी बचाव में मुकाबला किया। मारपीट इतनी हिंसक थी कि सड़क पर खून के धब्बे फैल गए।

लोगों ने हमले को रोकने के बजाय वीडियो रिकॉर्डिंग जारी रखी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल युग में संवेदनशीलता कितनी कम हो गई है।

घायल राकेश अस्पताल में भर्ती

आखिरकार किसी ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद घायल राकेश को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल वह SMIMER Hospital के ई-वॉर्ड में उपचाराधीन हैं। उनके सिर और आंख के आसपास गंभीर चोटें आई हैं।

अस्पताल के बिस्तर से राकेश ने पूरी घटना का विवरण देते हुए बताया कि किस तरह एक मामूली बात पर उन पर जानलेवा हमला किया गया।

'फिर सामने आया तो जान से मार दूंगा'

राकेश आहिर ने डिंडोली पुलिस स्टेशन में जगदन गोंडल गुप्ता के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है। राकेश के अनुसार, आरोपी सोमेनाथ सोसायटी में रहता है।

चौंकाने वाली बात यह है कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी आरोपी को पुलिस का कोई डर नहीं है। राकेश का आरोप है कि अस्पताल में भी जगदन ने उन्हें धमकी दी — 'आज तो बच गया, लेकिन फिर सामने आया तो जान से मार दूंगा।' पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सऊदी अरब में धर्म परिवर्तन कराकर 'इकरा' नाम रखा, ऑनलाइन शादी की नकद, जेवर और फ्लैट हड़प लिया

सूरत के एक विवाहित युवक ने अमेरिका में रहने वाली महिला को प्रेमजाल में फँसाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अमेरिका में रहने वाली एक महिला को सूरत के घोड़दौड़ स्थित G-3 शोरूम के एक सेल्समैन ने प्रेमजाल में फँसा लिया। उसे सऊदी अरब बुलाकर धर्म परिवर्तन करवाया और अमेरिका जाने के इरादे से ऑनलाइन शादी भी की। हालांकि अमेरिका का वीज़ा नहीं मिलने पर आरोपी ने महिला से 60 लाख रुपये, 18 तोला सोने के गहने और हैदराबाद स्थित फ्लैट हड़प लिया। अमेरिका से महिला द्वारा अपने भाई को भेजे गए ई-मेल के आधार पर शिकायत दर्ज की गई। Lal Gate Police Station ने कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि आरोपी पहले से विवाहित है।

ऑनलाइन कपड़े मंगाने के दौरान हुआ संपर्क

गुजरात के हिम्मतनगर में रहने वाला एक परिवार ऑर्गेनिक फर्टिलाइज़र का व्यवसाय करता है। परिवार की सबसे छोटी बेटी हिनल पटेल (उम्र 40 वर्ष, नाम परिवर्तित) की शादी वर्ष 2014 में अहमदाबाद में हुई थी। उसका पति हैदराबाद की एक आईटी कंपनी में कार्यरत था, इसलिए वह हैदराबाद रहने चली गई। पति ने हैदराबाद में हिनल के नाम पर एक फ्लैट खरीदा था। बाद में दोनों अमेरिका चले गए, जहाँ उनकी एक बेटी हुई। कुछ समय बाद दोनों के बीच मतभेद हो गए और वे अलग हो गए।

वर्ष 2020 में तलाक के बाद हिनल अपनी बेटी के साथ अमेरिका में रहने लगी। इसी दौरान उसने सूरत के घोड़दौड़ स्थित जी-3 दुकान से बेटी के लिए ऑनलाइन कपड़े मंगाए। वहीं काम करने वाला एज़ाज़ पटेल उससे संपर्क में आया। हिनल अक्सर कपड़े मंगाती थी, जिससे एज़ाज़ ने उसका नंबर लेकर उसे संदेश भेजना शुरू कर दिया।

सऊदी अरब में मुलाकात और धर्म परिवर्तन

लगातार मैसेज और कॉल के जरिए एज़ाज़ ने हिनल से नज़दीकियाँ बढ़ाईं और दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गया। जनवरी 2024 में जब हिनल हैदराबाद आई, तब एज़ाज़ उससे मिलने पहुँचा। होटल में ठहरने के दौरान उसने बहला-फुसलाकर फ्लैट की चाबी ले ली। 20 दिन बाद हिनल वापस अमेरिका चली गई।

तीन महीने बाद अप्रैल 2024 में एज़ाज़ ने हिनल को सऊदी अरब बुलाया। वहाँ एक संस्था में ले जाकर उसका धर्म परिवर्तन करवाया और उसका नाम 'इकरा' रख दिया। मई 2024 में दोनों ने ऑनलाइन शादी कर ली।

वीज़ा न मिलने पर पैसों की मांग

शादी के छह महीने बाद एज़ाज़ ने हिनल उर्फ इकरा पर उसे अमेरिका ले जाने का दबाव बनाना शुरू किया, लेकिन वीज़ा न मिलने पर वह अमेरिका नहीं जा सका। इसके बाद उसने पैसों की मांग शुरू कर दी। व्हाट्सऐप और ई-मेल के जरिए धमकाकर एज़ाज़ ने हिनल से 60 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। वर्ष 2025 में उसने हिनल को इंडोनेशिया बुलाया, जहाँ दोनों छह दिन रुके। इस दौरान हिनल ने अपने भाई को फोन कर कहा कि घर में रखे गहने एज़ाज़ को दे दें, वह उन्हें अमेरिका पहुँचा देगा। भाई हिम्मतनगर से सूरत आया और एज़ाज़ को 18 तोला सोने के गहने सौंप दिए। लेकिन एज़ाज़ ने वे गहने हिनल को नहीं दिए और स्वयं इस्तेमाल कर लिए।

पुलिस ने किया गिरफ्तार

60 लाख रुपये, 18 तोला सोना और हैदराबाद के फ्लैट की चाबी लेने के बाद जब हिनल ने सामान और पैसे वापस मांगे, तो एज़ाज़ ने गाली-गलौज की। हिनल ने यह बात अपने भाई प्रदीप को बताई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने को कहा। अमेरिका से भेजे गए ई-मेल के आधार पर भाई ने लालगेट पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने 30 वर्षीय एज़ाज़ सलीमभाई पटेल (निवासी - अल मक्का अपार्टमेंट, रांपुरा, सूरत) को गिरफ्तार कर उसका मोबाइल और लैपटॉप जब्त कर एक दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू की है। पूछताछ में सामने आया कि एज़ाज़ पहले से शादीशुदा है।